संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 82
पृष्ठ 8
मंगलवार
10 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हर उम्र में आपको स्वस्थ...

विचार- राहुल गांधी लड़ते क्यों....

खेल- मोहम्मद शमी का घरेलू ....

पीएम ने की बीमा सखी योजना की शुरुआत : बोले-

गरीबी को मिटाने में अहम भूमिका निभाएगी, उत्तर भारत

पानीपत (हरियाणा), एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत के सेक्टर–13–17 मैदान से बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया। पीएम ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में बीमा सखी योजना शुरू की। बीमा सखी योजना कार्यक्रम का थीम भी स्वावलंबी नारी खुशहाली हमारी रखा था। इस दौरान पीएम के साथ केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल समेत तीन केंद्रीय मंत्री भी पहुंचे। वहीं, प्रधानमंत्री मंच से हरियाणा, हिमाचल और त्रिपुरा की महिलाओं को बीमा सखी योजना का पत्र दिए। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज महिला विकास की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। आज 9 तारीख है। शास्त्रों में नौ अंक को बहुत शुभ माना जाता है। नौ अंक नव दुर्गा की नौ शक्तियों से जुड़ा है। हम सब साल में शक्ति की उपासना करते हैं। आज का दिन भी नारी शक्ति की उपासना जैसा ही है। आज नौ दिसंबर को ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। ऐसे समय में जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है। विश्व को नीति और धर्म का ज्ञान देने वाली महान धरती पर आज के दिन आना और भी सुखद है।

- भारत 2047 तक विकसित होने की दिशा में चल रहा-पीएम
- भाजपा ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने का काम किया-पीएम

इस समय कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव भी चल रहा है। मैं गीता की इस धरती को प्रणाम करता हूं। पीएम ने कहा कि मैं पूरे हरियाणा को यहां के देशभक्त लोगों को राम राम करता हूं। हरियाणा ने एक हैं तो सेफ हैं के मंत्र को जिस तरह अपनाया है, वह देश में उदाहरण बना है। सैनी की सरकार को बने अभी कुछ हफ्ते ही हुए हैं, लेकिन प्रशंसा पूरे देश में हो रही है पीएम ने कहा कि लगातार तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बनाई, इसके लिए मैं हरियाणा के हर परिवारजन का वंदन करता हूं। सैनी की नई सरकार को बने हुए अभी कुछ हफ्ते ही हुए हैं और उनकी प्रशंसा पूरे देश में हो रही है। सरकार बनने के तुरंत बाद जिस तरह यहां बिना पर्ची बिना खर्ची के हजारों युवाओं को पक्की नौकरियां मिली हैं, वह देश ने देखा है। अब यहां डबल इंजन की सरकार डबल रफ्तार से काम कर रही है। चुनाव के दौरान आप सभी माताओं बहनों ने नारा दिया था म्हारा हरियाणा नान स्टॉप हरियाणा। उस नारे को हम सभी ने अपना संकल्प बना दिया है। उसी संकल्प के साथ आज सब के दर्शन के लिए आया हूं। पीएम ने कहा कि कुछ साल पहले मुझे यहां पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू करने का सौभाग्य मिला था। इसका सकारात्मक परिणाम हरियाणा के साथ पूरे देश में हुआ। अकेले हरियाणा में इस योजना के तहत हजारों बेटियों का जीवन बचा है। इसी धरती से बीमा सखी योजना का शुभारंभ हुआ है। यानी पानीपत एक प्रकार से नारी शक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है। आज भारत 2047 तक विकसित होने की दिशा में चल रहा है। हमें इसके लिए ऊर्जा के स्रोत चाहिए। इसके लिए हमारा उत्तर भारत ऊर्जा का स्रोत है। ऐसी ही हमारी ऊर्जा की स्रोत नारी शक्ति भी है। वही हमारी प्रेरणा की स्रोत रहने वाली हैं। ये विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार बनेंगी।उन्होंने कहा कि जब नारी को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है तो वह देश के सामने अवसरों के नए द्वार खोल देती है। लंबे समय तक हमारे देश में अनेक ऐसे काम हुए जो महिलाओं के लिए वर्जित हैं। भाजपा ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने का काम किया। इसका परिणाम यही है कि सेना में बेटियों की भर्तियां हो रही हैं। फाइटर बन रही हैं। पुलिस में भी महिलाओं की भर्तियां हो रही हैं। कंपनियों को बेटियां संभाल रही हैं। 1200 ऐसे दुग्ध उत्पादक संघ हैं, जिनका नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं।

माताओं–बहनों के जनधन बैंक खाते खुलवाए–पीएम

पीएम ने कहा कि आजादी के बाद भी अधिकतर महिलाओं के बैंक खाते नहीं थे, इसलिए हमारी सरकार ने सबसे पहले माताओं–बहनों के जनधन बैंक खाते खुलवाए। आज गर्व है कि तीस करोड़ महिलाओं के बैंक खाते खुल गए। आज जनधन बैंक खाते न होते तो गैस सब्सिडी के पैसे आपके खाते में न आते। उन्होंने कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ नहीं मिल पाता। रेहड़ी लगाने वाली महिलाओं के लिए बैंक के दरवाजे हमेशा बंद रहते हैं। गांव–गांव में बैंकिंग सुविधा पहुंचाने में हमारी बहनों ने भूमिका निभाई है। जिनके बैंक खाते नहीं थे, वह अब बैंक सखी बनने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी लाखों बैंक सखियां आज बैंकों में अपनी सेवाएं दे रही हैं। बीमा सखी योजना के तहत दो लाख महिलाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। दसवीं पास बहनों बेटियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। तीन साल तक आर्थिक मदद की जाएगी। बीमा से जुड़े सेक्टर का डाटा बताता है, हर महीने बीमा एजेंट पन्द्रह हजार रुपए कमाता है। इस तरह से देखें तो बीमा सखी साल में पौने दो लाख रुपए कमाएंगी। पीएम ने कहा कि सोशल सिक्योरिटी के लिए, गरीबी को जड़ से मिटाने के लिए बीमा सखी अहम भूमिका निभाएगी।

मल्लिकार्जुन खरगे का पीएम मोदी पर हमला, कहा-

किसान न्याय की गुहार लगा रहे, केंद्र ने बार-बार धोखा दिया

- शहीद किसानों की याद में मौन भी रखना मुनासिब नहीं समझा
- पहले फूल-चाय -बिस्किट से स्वागत, कूच पर अड़े तो दागे आंसू गैस के गोले

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने सोमवार को कहा कि किसान न्याय की गुहार लगा रहे हैं क्योंकि मोदी सरकार ने उन्हें बार–बार धोखा दिया है। साथ ही जोर देकर यह भी कहा कि किसानों से उनकी आवाज उठाने का अधिकार नहीं छीना जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि किसान को बार–बार क्यों न्याय के लिए दिल्ली की दहलीज पर आना पड़ रहा है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज जब हरियाणा व राजस्थान के दौरे पर होंगे, तो मुझे उम्मीद है कि आप अन्न उपलब्ध कराने वाले किसान के जद्दोजहद को समझने की कोशिश जरूर करेंगे। किसान न्याय की गुहार इसलिए लगा रहे हैं, क्योंकि बार–बार आपकी सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी न करने का धोखा, स्वामीनाथन रिपोर्ट के अनुसार इनपुट लागत + 50 फीसदी एमएसपी लागू न करने का धोखा और एमएसपी को कानूनी दर्जा देने के लिए एक समिति बनाने, लेकिन उस पर कार्रवाई न करने का धोखा। उन्होंने आगे कहा कि न पर्याप्त खरीदी, न उचित दाम, न कानूनी गारंटी का इंतजाम, ऊपर से खाद–डीएपी व उर्वरकों की भारी किल्लत से किसान परेशान ! आपने किसानों की राह पर कंटीले तारों का जाल बिछाया, फिर से दिल्ली बॉर्डर को छावनी बनाया, आंसू गैस से उनकी शांतिपूर्ण कूच को रोकने का प्रयास किया। इससे पहले उनपर रबर बुलेट दागे और लाठियां बरसाईं। कांग्रेस नेता ने केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि यही नहीं, संसद में आपने खुद किसानों पर आंदोलनजीवी और परजीवी की अपमानजनक टिप्पणी की और 750 शहीद किसानों की याद में दो मिनट का मौन रखना भी मुनासिब नहीं समझा। इस परिस्थिति में आप और आपके कृषि मंत्री चाहे जितने भी झूठ बोल लें, अन्नदाता किसान समझ गए हैं कि आप उनके घोर विरोधी हैं। उन्होंने अंत में कहा कि किसानों से उनके आवाज उठाने का हक मत छीनिए, उनके साथ अन्याय मत कीजिए! एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत कई मांगों को लेकर रविवार दोपहर दिल्ली कूच कर रहे किसानों को पुलिस ने फिर शंभू सीमा पर रोक दिया। पुलिस ने किसानों का पहले फूल बरसाकर स्वागत किया और चाय बिस्किट भी खिलाए, लेकिन कूच पर अड़े किसान जब बैरिकेडिंग पर चढ़ने लगे तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और उन्हें तितर–बितर करने के लिए पानी की बौछार भी की।

आप ने 20 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची सोमवार को जारी की, जिसमें पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पटपड़गंज के बदले जंगपुरा से उतारा गया है जबकि हाल ही में पार्टी में शामिल हुए कोचिंग कारोबार से जुड़े शिक्षक अवध ओझा को पटपड़गंज से प्रत्याशी बनाया गया है। आप की ओर से जारी सूची में नरेला से दिनेश भारद्वाज, तिमारपुर से सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू, आदर्श नगर से मुकेश गोयल, मुंडका से जसबीर कराला, मंगोलपुरी से राकेश जाटव धर्मरक्षक, रोहिणी म प्रदीप मित्तल, चांदनी चौक से पुनर्दीप सिंह साहनी (सैबी), पटेल नगर से प्रवेश रतन, मादीपुर से राखी बिड़लान, जनकपुरी से प्रवीण कुमार, बिजवासन से सुरेंद्र भारद्वाज, पालम से जोगिंदर सोलंकी, जंगपुरा से मनीष सिसोदिया, देवली से प्रेम कुमार चौहान, त्रिलोकपुरी से अंजना पारचा, पटपड़गंज से अवध ओझा, कृष्णा नगर से विकास बग्गा, गांधी नगर से नवीन चौधरी (दीपू), शाहदरा से पदमश्री जितेंदर सिंह शंटी और मुस्तफाबाद से आदिल अहमद खान को उम्मीदवार बनाया गया है। आम आदमी पार्टी ने कुछ दिन पहले 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी।

भाजपा ने की राज्यसभा उपचुनावों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आंध्र प्रदेश, हरियाणा एवं ओडिशा में होने वाले राज्यसभा के उप–चुनावों के लिए अपने उम्मीदवार सोमवार को घोषित कर दिये। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने आंध्र प्रदेश, हरियाणा एवं ओडिशा में होने वाले राज्यसभा के उप–चुनावों में प्रत्याशी के रूप में आंध्र प्रदेश से श्री रयागा कृष्णैया, हरियाणा से श्रीमती रेखा शर्मा और ओडिशा से श्री सुजीत कुमार के नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

जम्मू कश्मीर में असली चुनौती जनता की अपेक्षाओं के जटिल जाल को संभालना है : पीडीपी

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा है कि जम्मू कश्मीर में शासन के लिए केंद्र के साथ ''संवेदनशील बातचीत'' की आवश्यकता है। पीडीपी ने अपने मासिक समाचार पत्र 'स्पीक अप' में कहा, ''जम्मू कश्मीर पर प्रभावी ढंग से शासन के लिए केंद्र के साथ बेहतर तालमेल की आवश्यकता है, जैसा कि नयी सरकार (जम्मू कश्मीर में) ने भी स्वीकार किया है।'' पार्टी ने कहा कि उसके दिवंगत संरक्षक मुफ्ती मोहम्मद सईद जानते थे कि जम्मू कश्मीर के व्यापक हित के लिए गैर–पारंपरिक रास्ते तलाशने होंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की तरह अधिक शांतिप्रिय एवं मैत्रीपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। पार्टी ने कहा, ''भाजपा का सीमित स्थानीय प्रभाव है, बावजूद इसके जम्मू कश्मीर के अपना वाजिब हक पाने के लिए रणनीतिक भागीदारी आवश्यक है। हाल में दो कर्मचारियों की मनमाने ढंग से बर्खास्तगी सवाल खड़े करती है।

भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया विदेशी शक्तियों की शह पर देश की शांति बिगाड़ने का आरोप

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के जन्मदिन पर सोमवार को उन पर और कांग्रेस पर जबरदस्त हमला किया और पूछा कि वे विदेशी शक्तियों की शह और आर्थिक मदद से उनके हाथ की कठपुतली बन कर देश की शांति क्यों बिगाड़ रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "जब–जब संसद का सत्र चलता है, ठीक उसी समय विदेश से कोई न कोई ऐसी रिपोर्ट या घटना सामने आती है, जो भारत की संसद को बाधित करती है। 03 फरवरी, 2021 को किसानों को लेकर एक रिपोर्ट आई थी और 29 जनवरी 2021 को भारत की संसद का सत्र शुरू होने वाला था। इसके बाद 18 जुलाई, 2021 को पेगासस पर रिपोर्ट आई थी और 19 जुलाई, 2021 को मानसून सत्र शुरू होने वाला था। फिर 24 जनवरी, 2023 को हिंडनबर्ग रिपोर्ट आई थी और 29 जनवरी, 2023 को भारत की संसद का सत्र शुरू होने वाला था। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, "19 जुलाई, 2023 को मणिपुर का वीडियो रिलीज होता है और 20 जुलाई, 2023 को मानसून सत्र शुरू होने वाला था... ये सिर्फ एक संयोग है या भारत विरोधी प्रयोग है?" उन्होंने कहा, "एक संस्था है, जिसका नाम है फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन दि एशिया पैसिफिक, जिसके बारे में कहा जा रहा है– ये एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) है, जिसको 1994 में एशिया प्रशांत क्षेत्र में लोकतंत्र के प्रचार प्रसार करने के लिए स्थापित किया गया था। इसमें चार लोग सह–अध्यक्ष हैं, जिनमें एक श्रीमती सोनिया गांधी हैं। आज हम संसद में इस गंभीर विषय पर चर्चा करना चाहेंगे।" डॉ. त्रिवेदी ने कहा, "जॉर्ज सोरोस ने खुले तौर पर मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए 01 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है। यह पहली बार है कि किसी ने खुले तौर पर ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक एजेंडे के लिए धन का उपयोग करने की घोषणा की है। यह शर्म की बात है कि भारत में कुछ भ्रष्ट लोगों को ऐसी भारत विरोधी विदेशी ताकतों का समर्थन प्राप्त है।"

आगरा एयरपोर्ट को बम से उड़ने की मिली धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

आगरा, एजेंसी। आगरा के खेरिया एयरपोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली तो सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एयरपोर्ट की सुरक्षा को तत्काल बढ़ा दिया गया। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर चेकिंग शुरू करा दी गई। ये धमकी सीआईएसएफ को मेल पर दी गई। इससे पहले ताज को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि आगरा एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ को सोमवार को सुबह 11रू56 बजे एक ईमेल मिला, जिसमें बताया गया कि एयरपोर्ट परिसर के बाथरूम में बम रखा गया है। बम निरोधक दल को एयरपोर्ट परिसर में भेजा गया। यहां पर सघन तलाशी कराई गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। वहीं आगरा एयरपोर्ट के निदेशक योगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि एयरपोर्ट परिसर में करीब दो घंटे की गहन तलाशी के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

नोएडा एयरपोर्ट पर पहली सफल लैंडिंग, हर निगाह बनी ऐतिहासिक क्षण की साक्षी

- घने कोहरे और अंधेरे में भी होगी आसान लैंडिंग

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा एयरपोर्ट के लिए सोमवार को बड़ा दिन रहा। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर विमान की सफल लैंडिंग हुई। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर सोमवार दोपहर 1.31 बजे पहली बार विमान ने सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। दिल्ली से उड़ान भरकर पहला व्यावसायिक 10 मिनट में नोएडा एयरपोर्ट के फ्लाइंग जोन में पहुंच गया था और उपकरणों सहित अन्य संसाधनों की जांच के लिए डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट के आसपास मंडराता रहा। इस सफल लैंडिंग के साथ ही एयरपोर्ट के इतिहास में ढाई दशक की कवायद के बाद एक और सफलता जुड़ गई। फिलहाल, इस बड़ी उपलब्धि से पहले रनवे को वाटर कैनन से सलामी दी गई। इंडिगो के ए 320 विमान ने रनवे पर सफल लैंडिंग के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के साथ प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे के ट्रायल के लिए डीजीसीए से 15 दिसंबर तक की समयसीमा तय की गई है। पहले 30 नवंबर को ट्रायल रन की तारीख नियत की गई थी। मगर, डीजीसीए टीम के निरीक्षण के चलते यह आगे बढ़ गई। कैलिब्रेशन ट्रायल के बाद रनवे का ट्रायल 9 दिसंबर को हुआ। अबतक एयरपोर्ट पर कैट–1 और कैट–3 उपकरण स्थापित हो चुके हैं, जो कोहरे में विमान की ऊंचाई और दृश्यता की जानकारी देते हैं। एयरपोर्ट पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) को स्थापित किया जा चुका है, जिसकी एयरक्राफ्ट बीच किंग एयर 360 ईआर के जरिए 10 से 14 अक्तूबर तक जांच की जा चुकी है। एयरपोर्ट पर 3900 मीटर लंबा और 60 मीटर चौड़ा पहला रनवे बनकर पूरी तरह से तैयार है।

प्रोफेसर मिथलेश कुमार त्रिपाठी सहित कई साहित्यकार हुए सम्मानित

प्रयागराज सत्रिवेणी ग्रामोद्योग उत्थान समिति एवं लोकरंजन प्रकाशन के द्वारा हिंदी में उच्च स्तरीय साहित्य के प्रचार–प्रसार और उन्नयन के लिए अखिल भारतीय स्तर पर साहित्य की विभिन्न विधाओं में देश के विभिन्न प्रान्तों से आये हुए साहित्यकारों का सम्मान किया गया। यह सम्मान समारोह केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित किया गया। विभिन्न विधाओं में 15 कृतियों को सम्मान प्रदान करने के लिए चयनित किया गया। 6 रचनाकारों की सर्वोत्कृष्ट कृतियों को 5100 रुपये नकद धनराशि के अलावा अलंकरण पत्र,श्री फल आदि से और 9 रचनाकारों की श्रेष्ठ कृतियों को अलंकरण पत्र,स्मृति चिह्न आदि देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले रचनाकारों में हरियाणा के ब्रह्म दत्त शर्मा,हाजीपुर बिहार की शिखा श्रीवास्तव,लखनऊ की अलका प्रमोद,बरेली की मोना प्रधान,कानपुर के डॉ दिनेश तिवारी,प्रतापगढ़ के डॉ मिथिलेश त्रिपाठी,गाजियाबाद के अवधेश सिंह,कच्छ गुजरात की एकता व्यास,उड़ीसा के दिनेश माली,राजस्थान के धर्मेंद्र, पटना की सरिता कुमारी,गोरखपुर की सुनीता सिंह,बिजनौर के डॉ अजय जनमेजय तथा प्रयागराज की विजय लक्ष्मी विभा और जया मोहन रहे। समारोह की अध्यक्षता प्रो ललित कुमार रिपाठी ने की। मुख्य अतिथि केंद्रीय नाट्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त कानपुर प्रसिद्ध ध्रुपद गायक विनोद कुमार द्विवेदी ने की। विशिष्ट अतिथि रंगमंच निर्देशक डॉ अशोक शुक्ल और समाज सेविका राजलक्ष्मी शुक्ल रहे। निर्णायक मंडल में वरिष्ठ पत्रकार रामधनी द्विवेदी,समाजशास्त्री प्रो रवि मिश्र और हिंदी की प्रवक्ता मधुश्री शुक्ला रहे। समारोह का संचालन रंजन पाण्डेय ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ आदित्य नारायण सिंह ने किया। समारोह में विभा सिंह,पूनम पांडेय,डॉ देवेंद्र,प्रो अशोक,सूर्यकांत तिवारी,शहर समता अखबार संपादक उमेश श्रीवास्तव, डॉ प्रदीप चित्रांशी,भगवान प्रसाद उपाध्याय,विष्णु दत्त मिश्र, अश्विन,हर्षित,प्रियम,अखिलेश,अनुराधा,आनन्द, मिली श्रीवास्तव,संजय श्रीवास्तव,सुषमा,राकेश,राजश्री,रचित,वीर आदि उपस्थित रहे।

अधिवक्ता हत्याकांड : मुख्य आरोपी ब्लॉक प्रमुख गिरफ्तार, फरार ड्राइवर भी पकड़ा गया, दोनों भेजे गए जेल

प्रयागराज। अधिवक्ता अखिलेश उर्फ गुड्डू शुक्ला की हत्या के मुख्य आरोपी बलिया के गड़वार ब्लॉक प्रमुख अतुल प्रताप सिंह व उसके ड्राइवर को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया और दोनों को जेल भी भेज दिया गया। दोनों पर पांच–पांच हजार का इनाम घोषित था। 17 नवंबर को सलोरी निवासी अधिवक्ता की हत्या के बाद से ही अतुल फरार चल रहा था। उसके साथ ही उसके ड्राइवर अजय की भी तलाश की जा रही थी। शनिवार को उसकी गिरफ्तारी न होने के विरोध में कई दिनों से आंदोलित अधिवक्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा था, जिसके बाद उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया था। मुख्यमंत्री के आगमन से ठीक पहले मेयोहाल चौराहे पर पहुंचकर नारेबाजी की गई थी। इस पर पुलिस अफसरों ने तीन दिन में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया था। उधर, उसकी तलाश में लगीं चार टीमों ने रविवार को शहर में दो स्थानों पर छापा मारा। एक टीम ने बलिया में स्थित उसके संभावित ठिकाने पर छापा मारा। आखिरकार दोपहर बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। दो साल पहले भी हत्या के प्रयास में जा चुका है जेल अधिवक्ता हत्याकांड का मुख्य हत्यारोपी गड़वार ब्लॉक प्रमुख अतुल प्रताप सिंह पूर्व में हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। आरोप था कि ठेकेदारी के विवाद में उसने अपने साथियों संग मिलकर बलिया के सुखपुरा स्थित जिराबस्ती पेट्रोल पंप के पास युवक पर जानलेवा हमला किया था। 17 जनवरी 2022 को यह घटना हुई थी। बलिया के दुबहड़ थाना के उदयपुरा निवासी नरेंद्र कुमार सिंह ने आरोप लगाया था कि ब्लॉक प्रमुख व उसके आठ अन्य साथियों व कुछ अज्ञात लोगों ने उसके बेटे हरीश सिंह पर जानलेवा हमला किया। असलहे की बट व हॉकी–डंडों से पीट–पीटकर उसे अधमरा कर दिया। पुलिस ने घटना वाली रात ही ब्लॉक प्रमुख समेत उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में बाद में चार्जशीट भी लगी थी। बलिया के गड़वार ब्लॉक का प्रमुख मुख्य आरोपी अतुल बलिया ब्लॉक प्रमुख संघ का अध्यक्ष भी है। वह खुद को मंत्री–सांसद का करीबी भी बताता है। फेसबुक पर उसने एक मंत्री व सांसद संग भी अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। वह सीएमपी से छात्रसंघ अध्यक्ष पद का भी चुनाव लड़ चुका है। ब्लॉक प्रमुख का चुनाव उसने निर्विरोध जीता था। 2018 में उसने खुद पर फायरिंग का आरोप लगाते हुए जार्जटाउन में तीन लोगों पर नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। अतुल फरीदपुर पचखोरा थाना सुखपुरा जनपद बलिया का मूल निवासी है। जबकि, उसका वर्तमान पता रामपुर उदयभान थाना कोतवाली बलिया है। पुलिस ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कराया था। इस प्रकरण में चार आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं। इनमें बसंतपुर, बलिया निवासी आरोपी दुर्गेश सिंह के अलावा निखिल सिंह, प्रिंस सिंह व मनोज सिंह शामिल हैं। मामले में निखिल नामजद था, जबकि चार अज्ञात आरोपी बनाए गए थे। पुलिस ने विवेचना के दौरान चौथे अज्ञात आरोपी के रूप में अतुल को चिह्नित किया। साथ ही उसके ड्राइवर का भी नाम प्रकाश में आया।

निषादराज क्रूज पर सवार हो संगम पहुंचेंगे पीएम मोदी, शृंग्वेरपुर को दूर से करेंगे नमन

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन की तैयारियां तेज हो गई हैं। एक ओर जहां संगमनोज पर पीएम की जनसभा के लिए टेंट लगना शुरू हो गया है, वहीं दूसरी ओर उनके स्वागत को निषादराज क्रूज को तैयार किया जा रहा है। इस पर सवार होकर वह अरैल से संगम पहुंचेंगे, जहां साधु–संतों संग गंगा पूजन करेंगे। साथ ही हनुमान मंदिर और अक्षयवाट कॉरिडोर के दर्शन करेंगे। इसके बाद करीब एक घंटे तक जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं, समरसता के प्रतीक शृंग्वेरपुर धाम जाने का कार्यक्रम स्थगित होने के कारण पीएम दूर से ही नमन करेंगे। 13 दिसंबर को पीएम प्रयागराजवासियों को महाकुंभ से जुड़ी करीब सात हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देंगे। साथ ही संगम नोज पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे, जिसके लिए शासन–प्रशासन और प्रदेश सरकार की ओर से जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। प्रधानमंत्री के स्वागत में एक पखवाड़े पहले ही वाराणसी से निषादराज क्रूज को प्रयागराज मंगाया गया है, जिसे भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से विशेष तौर पर तैयार किया जा रहा है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त निषादराज क्रूज पर सवार होकर ही पीएम अरैल से संगम पहुंचेंगे। इससे पहले वह हवाई मार्ग से 11 बजे प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट और फिर हेलिकॉप्टर से अरैल स्थित डीपीएस के ग्राउंड में बने हेलीपैड पर उतरेंगे। संगम तट पर पहुंचकर वह महाकुंभ से संबंधित करीब सात हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। शृंग्वेरपुर धाम के साथ भरद्वाज आश्रम को भी पीएम दूर से ही नमन करेंगे। साथ ही यहां हुए कार्यों का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे।

'नाजरेथ अस्पताल ने ६८वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक भव्यता के साथ मनाया नाजरेथ अस्पताल के मंच पर गूंजा श्महाकुंभ'

प्रयागराज (अरविन्द पाण्डेय)। नाजरेथ अस्पताल ने अपने 49वें स्थापना दिवस को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर सोनभद्र जिले के प्रशासनिक न्यायाधीश, माननीय श्री न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाजरेथ अस्पताल के चेयरमैन, माननीय मोस्ट रेवरेण्ड लुईस मास्करेन्हस ने की। विशिष्ट अतिथियों में प्रयागराज के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आशु पांडे और कांग्रेगेशन ऑफ सिस्टर्स ऑफ नाजरेथ की प्रांतीय सुपीरियर सिस्टर लता सीएसएन शामिल थी। समारोह की शुरुआत एक भावपूर्ण प्रार्थना नृत्य के साथ हुई, जिसने कार्यक्रम को आध्यात्मिक रंग दिया। इसके बाद श्दीप प्रज्वलनश का समारोह आयोजित किया गया, जो आशा और ज्ञान का प्रतीक था। प्रशासक माननीय फादर इसिडोर डीसूजा ने गणमान्य अतिथियों, मेहमानों और शुभचिंतकों का स्वागत करते हुए सांस्कृतिक भव्यता की शुरुआत की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। इनमें से सबसे प्रमुख थी श्महाकुंभ दी इटार्नल कान्फ्लुएस, जो महाकुंभ मेले के आध्यात्मिक और सास्कृतिक महत्व का भव्य चित्रण था। इस प्रदर्शन ने महाकुंभ की गहरी परंपराओं और एकता तथा भक्ति के सार्वभौमिक संदेश को प्रस्तुत किया। दर्शकों ने इसे प्रभावशाली लघु नाटक श्हैड्स दैट हील शामिल था, जो स्वास्थ्य देखभाल में नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है। वहीं, बालीवुड धमाका ने आधुनिक और रंगीन जोश के साथ दर्शकों का मन मोह लिया। साइबर सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और अंगदान जैसे विषयों पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी को गहरे संदेशों के साथ मंत्रमुग्ध कर दिया। दिव्य ज्योति निकेतन की दृष्टिबाधित लड़कियों ने अपने शरिदमिक फीट से कम भाग्यशाली बच्चों की शिक्षा की आवश्यकता पर जोरदार संदेश जोरदार तालियों से सराहा, जो प्रयागराज की समृद्ध विरासत की गूंज थी। अन्य प्रस्तुतियों में एक

दिया। श्सांस्कृतिक समागम ने विविधता में एकता के सुंदर रूप को प्रदर्शित किया। अपने संबोधन में न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने नाजरेथ अस्पताल की पिछले पांच दशकों से स्वास्थ्य सेवा और सामुदायिक सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। चेयरमैन बिशप लुईस मास्करेन्हस ने भी सभा को संबोधित करते हुए अस्पताल की समृद्ध विरासत और मानवता की सेवा के प्रति इसके निरंतर प्रयासों को रेखांकित किया। इस कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण था श्नाइटिंगेल अवार्ड 2024श का वितरण। इस पुरस्कार से दो उत्कृष्ट नर्सों, स्टाफ नर्स प्रीति आर्या और एएनएम नर्स रश्मि मुंडा को सम्मानित किया गया। उन्हें रोगियों की देखभाल में उनके समर्पण और योगदान के लिए मुख्य अतिथि द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन डा. प्रशांत त्रिपाठी द्वारा हार्दिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। नाजरेथ अस्पताल का 49वां स्थापना दिवस सांस्कृतिक समारोह और सेवा के सम्मान का एक आदर्श संगम था, जिसने सभी उपस्थित लोगों को प्रेरित और एकजुट किया।

स्टश्वफ नर्स ने चौकी इंचार्ज पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप, सीएम पोर्टल पर की शिकायत

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में तैनात स्टॉफ नर्स ने एसआरएन चौकी इंचार्ज समेत अस्पताल के दो अन्य कर्मचारियों पर मारपीट और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। साथ ही मुख्यमंत्री को ऑनलाइन शिकायती पत्र भेजकर जांच और कार्रवाई की गुहार लगाई है। दरअसल, तीन दिसंबर को कालोनी में कैमरे लगवाने को लेकर शिकायतकर्ता एसआरएन अस्पताल की स्टॉफ नर्स से पड़ोसी स्टाफ नर्स का विवाद हुआ था। आरोप है कि आरोपी स्टाफ नर्स के कहने पर चौकी इंचार्ज विवेक राय ने अन्य पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर उनके मुंह बोले बेटे को बेरहमी से पीटा और फिर शांति भंग में चालान कर रातभर थाने में बैठाए रखा। शिकायती पत्र में पीड़िता ने बताया कि कालोनी में विपक्षी स्टॉफ नर्स संगीता मौर्या भी रहती है। आरोप है कि उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उसने कैमरा लगवाया है। इसके बाद तीन दिसंबर को उसने भी सुरक्षा के लिए कमरे के बाहर कैमरा लगवाया। आरोप है कि इस पर पड़ोसी नर्स ने विरोध जताया। इसके बाद संगीता मौर्य और सत्येंद्र यादव के कहने पर एसआरएन चौकी इंचार्ज विवेक राय ने उनके मुंहबोले बेटे अमित के पास फोन कर कैमरे निकलवाने को कहा। आरोप है कि ऐसा नहीं करने पर उन्होंने उत्पीड़न किया। इस संबंध में एसआरएन चौकी इंचार्ज विवेक राय ने बताया कि तीन दिसंबर को दो स्टाफ नर्सों के बीच में सीसीटीवी कैमरा लगवाने को लेकर विवाद हुआ था। दोनों पक्षों का 151 में चालान किया गया था। स्टाफ नर्स द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप गलत है।

वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज । हीरक जयंती समारोह की श्रृंखला के अंतर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा डायमंड जुबिली फेस्ट के आयोजन के तृतीय दिन ष्वाद विवाद ष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया स जिसका विषय था ष क्या ऑनलाइन शिक्षा पारम्परिक शिक्षा से बेहतर है? ष जिसमे छात्रों अपने विचार दिए स इस

प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों के बीस से अधिक प्रतिभागिओ ने भाग लिया स कार्यक्रम की अध्यक्षता वनस्पति विज्ञान विभाग की कान्वेनर प्रो सरिता श्रीवास्तव ने की, इवेंट कोऑर्डिनेटर प्रो अमिता पाण्डेय ने सभी प्रतिभागिओ का स्वागत किया स कार्यक्रम का संचालन डॉ कीर्ति राजे सिंह द्वारा किया गया स कार्यक्रम की अयोजन करता डॉ पल्लवी राय , सहायक प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा उपस्थित निर्णायक मण्डल का स्वागत और उपस्थित प्रतिभागिओ को प्रतियोगिता सम्बन्धी दिशा निर्देश दिए गए स कार्यक्रम मे प्रो मीना राय , प्रो स. पी. सिंह, डॉ आभा सिंह , डॉ. अनीता सिंह निर्णायक मण्डल के रूप मे उपस्थित थे स वनस्पति विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक, शोध छात्र और बड़ी संख्या मे छात्र उपस्थित थे ।

केदारनाथ सविता को वाराणसी में मिला श्सेवक साहित्य श्री सम्मान

साहित्यिक संघ के 33 वें अधिवेशन में किये गये सम्मानित

मिर्जापुर। मिर्जापुर के वरिष्ठ साहित्यकार केदारनाथ सविता को साहित्यिक संघ वाराणसी के 33 वें अधिवेशन में रविवार 8 दिसम्बर को श्री अग्रसेन कन्या इंटर कॉलेज, टाउन हाल, वाराणसी के सभागार में श्सेवक साहित्य श्री सम्मान–2024श से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी लम्बी साहित्यिक सेवा के लिये दिया गया। इस दौरान पद्मश्री उषा यादव, डॉ रमाकांत शर्मा उद्भ्रांत, डॉ हरेन्द्र कुमार राय, धर्मेंद्र राय और सोच विचार पत्रिका के संपादक जितेंद्र नाथ मिश्र के हाथों पुष्पहार पहनाकर तथा शाल ओढ़ाकर सम्मान पत्र भेट किया गया। सभा को डॉ राम सुधार सिंह, अभिनव अरुण, हिमांशु उपाध्याय, डॉ जितेंद्र नाथ मिश्र, पद्मश्री उषा यादव आदि ने सम्बोधित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री उषा यादवने की। महेंद्र नाथ मिश्र स्मृति काव्य गोष्ठी में धर्मेंद्र गुप्त साहिल, अभिनव अरुण ने गजल पढ़ी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ जय प्रकाश मिश्र ने किया। डॉ बेनी माधव ने संचालन किया। वासुदेव ओबेराय ने व्यवस्था की देखरेख व अतिथियों को बैज लगाकर सम्मानित किया। श्री केदारनाथ सविता को सम्मानित किये जाने पर मिर्जापुर के कवियों एवं शायरों आदि ने उन्हें बधाई दी है। बधाई देने वालों मे सर्वश्री डॉ अनुज प्रताप सिंह, वृजदेव पांडेय,प्रमोद कुमार सुमन, गणेश गंभीर, लल्लू तिवारी, भोलानाथ कुशवाहा, अरविंद अवस्थी ,मुहिब मिर्जापुरी, जवाहर सिंह, इम्तियाज अहमद गुमनाम, आनन्द अमित, डॉ अनुराधा ओस, डॉ सुधा सिंह, इला जायसवाल, डॉ रंजना जायसवाल, हसन जौनपुरी, नंदिनी वर्मा, सारिका चौरसिया, अमरनाथ सिंह,पूजा गुप्ता, प्रमोद चंद्र गुप्त, पूजा यादव, खुर्शीद भारती, इरफान कुरैशी, श्याम अचल, हौसिला प्रसाद मिश्र आदि हैं।

लोकपाल समाज शेखर ने रामपुर बावली का किया भ्रमण

ग्राम पंचायत को प्रबन्ध व संरक्षण के दिये निर्देश

प्रतापगढ़ । जनपद के लालगंज तहसील के रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक में स्थित अति प्राचीन जल संरचना का स्थलीय भ्रमण कर लोकपाल मनरेगा सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर प्राण ने वर्तमान दशा का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम पंचायत को इस प्राचीन धरोहर का संरक्षण व प्रबन्धन करने का सुझाव देते हुए जिलाधिकारी महोदय को अवगत करा के समुचित संरक्षण व विकास कराये जाने का निर्णय लिया। विकास खंड भ्रमण के दौरान लोकपाल समाज शेखर स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकर्ताओ के साथ रामपुर बावली पहुँचे। उन्होंने बावली की वर्तमान दशा देखकर दुख व्यक्त किया। बताया की वह पिछले 10 सालों में ३ बार यहाँ आये है। पहले बावली का मुख्य भाग सुरक्षित था परंतु अभी बावली में खेतो का बरसाती पानी भी बह कर जाता है जिससे काफी अव्यवस्थित हो गया है। ऐसे में उन्होंने ग्राम पंचायत व स्थानीय समाज सेवियो से इस प्राचीन जल संरचना के संरक्षण की अपील की। उन्होंने कहा की हम ऐसा निर्माण कर नही सकते बचा तो सकते है। जनपद के सांस्कृतिक व प्राकृतिक गौरव हेतु इसका अस्तित्व बचाना सभी की साझी जिम्मेदारी है। लोकपाल ने बताया की जनपद के गजेटियर में भी इस स्थल की महत्ता का वर्णन है। इस संबंध में ग्राम विकास अधिकारी विकास यादव ने लोकपाल को आश्वस्त किया की ग्राम पंचायत द्वारा संरक्षण व प्रबन्धन की योजना को मूर्त स्वरूप दिया जायेगा। वहीं उन्होंने बावली तक मार्ग के निर्माण का भी संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सुंदरम तिवारी, दुर्गेश तिवारी, श्लोक मिश्र व राजेश पांडेय तथा पंचायत प्रतिनिधि व मनरेगाकर्मी शामिल थे।

आरेडिका में कार्यस्थलों पर लैंगिक उत्पीडन विषय पर जागरूकता के लिए सेमीनार का आयोजन

रायबरेली । आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में दिनांक 09.12.2024 को कार्यस्थलों पर लैंगिक उत्पीडन विषय पर जागरूकता के लिए सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें आरेडिका की सभी कार्य करने वाली महिलाओं ने प्रतिभाग किया। इस सेमीनार में प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आभा जैन ने महिलाओं जागरूकता के बारे में कुछ नियम कानूनों के संबंध में समझाया एवं महिला से पूछा कि अगर किसी महिला को अगर इस प्रकार की कोई भी समस्या हो

तो बताएं तथा आगे आने वाले समय में भी अगर इस प्रकार की समस्या आती है तो वे तुरन्त सम्पर्क कर सकती हैं। महिलाओं ने डा0 आभा जैन से विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से इसके विधिक पक्ष को समझा। इस अवसर पर आरेडिका की सभी महिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहीं।

गजल

अपना सब कुछ हार कर निकले हम।
एक तरफा प्यार कर निकले हम।

गणित पढ़ी और उसे अपना भी लिया।
एक दुख था उसे हजार कर निकले हम।

तोहमतें लगती हैं बिछड़ जाने के बाद में।
लिहाजा निकले तो जेबें झाड़ कर निकले हम।

खवाहिशों को अपने आप में दफन कर।
अच्छे खासे शख्स को मजार कर निकले हम।

हिसाब–ए–फिक्र करने एक रोज बैठ गए।
ताजुब कि बात है यार उधार पर निकले हम।

चाय, किताबें, उसकी यादें और मै।
उधेड़ा खुद को तो कुल शख्स चार निकले हम।

गौतम कनौजिया

बृज चन्द्रिका विधि महाविद्यालय
अम्मांव, हण्डिया, प्रयागराज

आवश्यकता है

एल0एल0बी0 त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम हेतु-
प्राचार्य- 01 पद सहायक आचार्य- 06 पद

अर्हताएं/वेतनमान-यू.जी.सी./पी.आर.एस.यू. प्रदेश शासन के द्वारा निर्गत नवीनतम शैक्षिक अर्हता एवं मानकों के अनुसार चयन की कार्यवाही की जाएंगी। अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 15 दिवस के अन्दर मूल प्रमाण-पत्रों/छायाप्रतियों व 02 पासपोर्ट साइज फोटो की स्वच्छ प्रति संलग्न कर आवेदन करें।

प्रबंधक
मो0नं0-9455331709

'असम के साहित्यकार संतोष कुमार महतो , विनय कुमार बुद्ध और मनीषा पाल मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव-2024 में सम्मानित'

'विश्वनाथ के महतो तथा पाल जी को मगध साहित्य प्रेरणा सम्मान और बंगाईगांव के विनय कुमार बुद्ध को पुरातन नालंदा साहित्य प्रेरणा सम्मान अलंकार से सम्मानित किया गया'

'इन हिंदी सेवी व साहित्यकारों के चित्र के साथ भारत सरकार, डाक विभाग द्वारा जारी डाक टिकट से नवादा के माननीय सांसद विवेक ठाकुर ने सम्मानित किया'

विश्वनाथ असम । देश के प्रसिद्ध ऐतिहासिक विरासत मगध की भूमि राजगीर में अशोक स्मृति संस्थान, हिसुआ और मगध साहित्य प्रेरणा मंच के तत्वावधान में वीरायतन राजगीर (नालंदा) के सभागार में 6 से 8 दिसंबर तक तीन दिवसीय मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव में विदेश तथा देशभर के 18 प्रदेशों के लगभग सौ साहित्यकारों के साथ असम के हिंदी सेवी तथा साहित्यकार संतोष कुमार महतो, मनीषा पाल और विनय कुमार बुद्ध को विविध अलंकारों से अलंकृत किया गया। वीरायतन की प्रेरणा पुंज आचार्य श्री ताई माँ के संरक्षक में मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव आयोजित किया गया। यह सम्मान असम के साहित्यकार संतोष कुमार महतो , विनय कुमार बुद्ध और मनीषा पाल को मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव–2024 के कार्यक्रम में प्रदान किया गया। सर्वप्रथम विश्वनाथ के संतोष कुमार महतो तथा मनीषा पाल जी को मगध साहित्य प्रेरणा सम्मान और बंगाईगांव के विनय कुमार बुद्ध को पुरातन नालंदा साहित्य प्रेरणा सम्मान अलंकार से सम्मानित किया गया। गरिमामय कार्यक्रम में सम्मान के रूप में शाल तथा स्मृति चिह्न अर्पण किया गया।इन हिंदी सेवी व साहित्यकारों के चित्र के साथ भारत सरकार , डाक विभाग के माय स्टांप योजना द्वारा जारी डाक टिकट का लोकार्पण किया गया। नवादा के माननीय सांसद श्री विवेक ठाकुर ने अपने कर कमलों से डाक टिकट के फ्रेम से इन साहित्यकार को सम्मानित किया। सर्वप्रथम प्रथम दिन कवि ओमकार काश्यप के संचालन में उद्घाटन सत्र की उद्घाटन वीरायतन की माता ईशा ताई व साधना ताई द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर नवादा के वरिष्ठ मगध साहित्यकार रामरतन सिंह रत्नाकर , लघुकथा के हस्ताक्षर विभा रानी श्रीवास्तव, मुजफ्फरपुर से डॉ० उषाकिरण श्रीवास्तव, मुजफ्फरपुर से डॉ० शैल केजरीवाल, मुस्कान केशरी, देवेन्द्र सिंह, पटना और स्वदेश – विदेश से आए हुए सभी साहित्यकार मौजूद थे। इसके बाद सम्मेलन में शामिल 100 साहित्यकारों , कवियों तथा लेखकों के साथ विश्वनाथ के हिंदी प्रेमी श्यामानंद रौनियार को वीरायतन की माता ईशा ताई द्वारा उपाध्याय अमर मुनि की पुस्तक पण्या समिक्खए धम्मं, अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। ताई से सभी साहित्यकार को उपहार एवं आशीष मिला। आयोजक ओंकार कश्यप ने आगत अतिथियों का स्वागत किया।जानकारी के अनुसार अशोक स्मृति संस्थान, हिसुआ और मगध साहित्य प्रेरणा मंच, हिसुआ के द्वारा राजगीर में मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव 2024 का आयोजन किया गया। घ्जहां भारत और नेपाल में साहित्य, शिक्षा व पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पड़ोसी देश नेपाल के अलावा देश के कई नामचीन साहित्यकार, कवि, शिक्षाविद और पत्रकार शामिल हुए। गौरतलब है कि असम के इन साहित्यकार को साहित्य में बेहतर योगदान के लिए पहले भी कई बार सम्मानित हो चुके हैं।

उपस्थित विद्वान ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजक मंडल के सदस्यों सहित कवि ओंकार कश्यप के धन्यवाद दिया। मगध की भूमि में यह आयोजन होता रहें, जिसकी बात स्वयं ताई ने कही। इधर देश भर तथा पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न स्वैच्छिक संस्थान तथा सरकारी संस्थान के विविध पद पर रहकर असम में हिंदी की सेवा करने वाले क्रमशः प्रचारक,कवि , लेखक के साथ विश्वनाथ के प्रतापगढ़ चाय बागान आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक (हिंदी) के पद पर संतोष कुमार महतो, विश्वनाथ चारिआलि सेंट जेवियर्स स्कूल के सहायक शिक्षिका के पद पर मनीषा पाल और भारतीय रेलवे में सेवा दे रहे और न्यू बंगाईगांव में वरिष्ठ व्याख्याता के पद पर विनय कुमार बुद्ध कार्यरत हैं। उन्हें यह सम्मान साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए दी गई। आयोजन समिति के पदाधिकारी तथा सदस्य को असम की तरफ से भेंट स्वरूप असमिया गमछा से सम्मानित किया गया। जिसे आयोजकों में हर्ष के साथ स्वीकार किया और असम के साहित्यकारों को साधुवाद दिया। असम में उनके द्वारा हिंदी कि सेवा करने के लिए भूरि–भूरि प्रशंसा की।

'महाकुंभ 2025 मे लगने वाले नेत्र कुम्भ मे एक जनवरी से होगा नेत्र परीक्षण'

'कार्यदायी संस्थाको कार्य मे तेजी लाकर बीस दिसंबर तक नेत्र कुम्भ परिसर का पूर्ण करे कार्य' – 'सत्य विजय महाप्रबंधक नेत्र कुम्भ'

प्रयागराज! महाकुंभ 2025 मे लगने वाले नेत्र कुम्भ का दस एकड़ मे बननेवाले परिसर के निर्माण कार्य तेजी के साथ चल रहा है अभी तक तीन जर्मन हैंगर बनकर तैयार हो गया है परिसर का निरीक्षण करने पहुचे नेत्र कुम्भ के महा प्रबंधक सत्य विजय सिंह ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को कार्य मे तेजी लाने तथा बीस दिसंबर तक पूरा करने को कहा और बताया कि एक जनवरी

से नेत्र परीक्षण का कार्य प्रारंभ होना है तथा विधिवत उद्घाटन पाच जनवरी को होगा और जानकारी दी कि इस बार 2019 की पाच एकड़ और सात जर्मन हेंगर के स्थान पर दस एकड़ के परिसर मे ग्यारह जर्मन हेंगरो मे संचालित होगा निरीक्षण के समय कार्यदायी संस्था के अधिकारी साथ मे रहे कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने बीस दिसंबर तक पूरा नेत्र कुम्भ परिसर तैयार करने का अश्वासन दिया। महाप्रबंधक सत्य विजय के साथ राजेश प्रताप सह प्रचार प्रमुख, शिवेन्द्र, त्रिलोकी सिंह विनय मिश्रा वरुण प्रताप वीर कृष्ण आदि लोग रहे।

काव्य कला प्रतियोगिता में कशिश ने मारी बाजी

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इण्टर कॉलेज में प्रति शनिवार आयोजित बालसभा कार्यक्रम में काव्यकला प्रतियोगिता के दौरान बच्चों का हुनर दिखा। छात्रा कशिश पांडेय ने सस्वर हनुमान चालीसा पाठ करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं आर्यन झा को दूसरा और सलोनी पांडेय को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।बच्चों के हुनर की प्रशंसा करते हुए प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कहा कि

चार ग्रुपों के बीच अलग –अलग होने वाली प्रतियोगितायों में एक दूसरे से आगे निकलने की बच्चों में आपसी स्पर्धा उन्हें विषयों की अच्छी तैयारी के लिए प्रेरित करती है।चित्रकला,काव्य कला,भाषण, रंगोली,प्रश्नोत्तरी,क्विज आदि प्रतियोगिता को लेकर बच्चों में जागृति है।इस दौरान कई छात्र छात्राओं ने स्वरित काव्य भी प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। निर्णायक के रूप में प्रवक्ता मोहम्मद परवेज सिद्दीकी,जगतपाल और मालती शर्मा मौजूद रहे। संचालन शिक्षक डा.के के त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं कर्मचारी और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कायस्थ समागम लखनऊ ने दिया कायस्थ एकता का परिचय , राजनीतिक नेतृत्व तथा व्यावसायिक नेतृत्व दोनों में ही भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर दिया जोर ।

कायस्थों की उपस्थिति से रिवर फ्रंट गोमती, लखनऊ की तट हुआ गुलजार, सफल हुआ कायस्थ समागम कार्यक्रमस

प्रयागराज। केपी ट्रस्ट, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा तथा संगत पंगत के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय कायस्थ समागम का आयोजन कल दिनांक 8 जनवरी को लखनऊ में किया गया स पूर्व सांसद श्री आर के सिनहा, वन एवं पर्यावरण मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री अरुण सक्सेना,अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व आई आर एस प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर डॉ अनूप कुमार श्रीवास्तव नईदिल्ली, स्वामी चक्रपाणि, पूर्व एमएलसी विंध्यवासिनी जी, एमएलसी डॉक्टर केपी श्रीवास्तव, नेपाल से डॉ विजय कुमार दत्त चेयरमैन ,मद्देशी आयोग काठमांडू नेपाल, काठमांडू से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के अंतरराष्ट्रीय समन्वयक तथा मिशन 2 करोड़ चित्रांश के अध्यक्ष श्री अनिल कर्ण , लखीमपुर मेयर श्रीमती ईरा श्रीवास्तव, बनारस से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की महिला अध्यक्ष सुश्री रीबू श्रीवास्तव, गुजरात से अखिल भारतीय कायस्थ

महासभा के राष्ट्रीय महासचिव के के श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव बड़ोदरा , भोपाल से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री वेद आशीष, तथा अंतरराष्ट्रीय समन्वय श्री दिनेश खरे, बरेली से अखिल भारतीय कायस्थ महासभा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ पवन सक्सेना, कोरवा छत्तीसगढ़ से विनोद सिंहा तथा देश के कोने–कोने से हजारों की संख्या में कायस्थ समाज के प्रतिनिधि। कार्यक्रम स्थल पर्वतीय महापरिषद मंच निकट खाटू श्याम गोमती तट लखनऊ पहुंचे । सभी का स्वागत कार्यकम संयोजक आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव मेंबर इंचार्ज कायस्थ पाठशाला प्रयागराज लखनऊ इस्टेट तथा कायस्थ पाठशाला प्रयागराज डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने किया। डॉ अनूप श्रीवास्तव ने कायस्थों को संगठित रहने का आह्वान किया और आगामी 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानंद और महर्षि योगी के जन्मदिवस पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा दिल्ली में आयोजित होने वाली कार्यक्रम में सभी को आने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि गाय समाज हमेशा देश हित तथा सनातन धर्म की रक्षा के लिए जागरूक रहा है और कास्ट समाज का इतिहास बहुत ही वैभवशाली रहा है परंतु आज कुछ अपरिहार्य कर्म से समाज हाशिए पर आ रहा है इसलिए कायस्थ समाज में एकता और पुर्नजागृति की बहुत आवश्यकता है। पूर्व सांसद श्री आर के सिन्हा, वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण सक्सेना जी, एमएलसी डॉ के. पी. श्रीवास्तव, तथा स्वामी चक्रपाणि के ओजस्वी पूर्ण वक्तव्य ने कायस्थ समाज को आईना दिखाने तथा उपलब्धियों को गिनाने का भी कार्य किया तथा उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को भी बढ़ाने का कार्य किया।

'वृन्दावन साहित्य महोत्सव में कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह सम्पन्न'

– 'सीमा वर्णिका त नवीनतम छंदाधारित पुस्तक श्सु तश का हुआ विमोचन तथा लोकार्पण'

– 'वृंदावन साहित्य सम्मान से अलं त की गयीं सीमा वर्णिका'

कानपुर सशब्द सृजन संस्थान (पंजीकृत) के द्वारा वृंदावन में वृंदावन शोध संस्थान के अंतर्गत ऑडिटोरियम में वृंदावन साहित्य महोत्सव का विशाल आयोजन किया गया । वृंदावन की भूमि पर इस प्रकार

का साहित्य महोत्सव प्रथम बार हुआ जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से लगभग चार दर्जन कवियों ने कविता पाठ किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार पद्मश्री डॉ मोहन स्वरूप भाटिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि शब्द सृजन संस्थान के द्वारा एक ऐतिहासिक कार्य किया गया है। संस्थान एक नई परिकल्पना के साथ साहित्य में अपना योगदान दे रहा है । इस महोत्सव में श्रेष्ठ साहित्यिक किताबों का विमोचन किया गया जो अपने आप में एक उल्लेखनीय कार्य है ।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर दिनेश पाठक शशि ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस प्रकार के आयोजन देश में बहुत कम देखने को मिलते हैं । हम सबको यहां से प्रेरणा मिल रही है ।कुछ अनोखा कार्य करने के लिए मैं संस्था के पदाधिकारियों को बधाई प्रेषित करता हूं । वृन्दावन शोध संस्थान के निदेशक डॉक्टर राजीव द्विवेदी ने पूरे समय उपस्थित रहकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। साथ ही वृंदावन साहित्य महोत्सव की चर्चा करते हुए कहा इस प्रकार के आयोजनों की देश में हिंदी साहित्य को आवश्यकता है । शब्द सृजन संस्थान का कार्य स्तुत्य है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा ठाकुर बांके बिहारी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मां सरस्वती की वंदना बिहार से पधारे कवि राजेश मिश्रा नवोदयी ने की । अतिथियों को शॉल ,कण्ठहार और सम्मान पत्र देकर संस्था के पदाधिकारियों ने स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा सम्मानित कवि एवं कवित्रियों को अंग वस्त्र ,कंठ हार सम्मान पत्र और पगड़ी पहनाकर वृन्दावन साहित्य सम्मान से अलंकृत किया गया।

इस महोत्सव में हरियाणा से डॉक्टर अलका शर्मा के गजल संग्रह श्अपना वही आलमश, बुंदेलखंड के महोबा से संतोष पटैरिया की –सम्पादित श्आल्हा समर सारावलीश , मेरठ सुभारती डॉ मोनिका मेहरोत्रा के उपन्यास श्तलाशश, बिजनौर से गिरीश त्यागी के कविता संग्रह पावस की प्यास,आगरा से डॉक्टर शैलबाला अग्रवाल की किताब श्चिरंजीवी हनुमानश, आगरा की दूसरी कवयित्री श्रीमती विजया तिवारी की श्बालपोथीश, खुर्जा से रेनू तायल श्रीमती स्वयंकार की श्गूंजश मैनपुरी से डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह धरम के बालसंग्रह श्बचपन के मीतश, मैनपुरी के डॉक्टरआनंद प्रकाश आनन्द शाक्य की कृति श्डॉ आनन्द प्रकाश शाक्य के सौ शेरश, कानपुर से डॉ सीमा वर्णिका सम मात्रिक छंद संग्रह श्सुकृतश का विमोचन वृंदावन साहित्य महोत्सव में किया गया जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। संस्था के अध्यक्ष डॉ राजीव कुमार पाण्डेय और संस्था के महासचिव डॉ ओंकार त्रिपाठी ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं संस्था के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष, इण्टर कालेज सेरसा के मैनेजर ठाकुर राजवीर सिंह,उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद सेवारत के प्रदेश अध्यक्ष डॉ देव प्रकाश, डॉ रामबहादुर भदौरिया, शोध संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी रजत शुक्ला सहित अनेकों गढ़मान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। अध्यक्ष डॉ राजीव कुमार पाण्डेय ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

इं.पर्णिका अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति

कानपुर ।इं.पर्णिका को ष्परियोजना जटिलता मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए एक एकीकृत ढांचाष विषय में शोध करने के लिए ष्योजना तथा

वास्तुकला विद्यालय नई दिल्लीष (शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार) के 42 वें दीक्षांत समारोह ष्भरत मण्डपम दिल्लीष में दिनांक 04 दिसम्बर 2024 को मुख्य अतिथि माननीय श्री नितिन गडकरी जी केन्द्रीय मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग भारत सरकार की उपस्थित में सी.ओ.ए.के अध्यक्ष प्रो.अभय पुरोहित के कर कमलों से इं.पर्णिका सिंह यादव को अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति की उपाधि से अलंकृत किया ।विशेष बात यह रही कि कु.पर्णिका ने यह शोध न्यूनतम समय (दो वर्ष) में ष्योजना तथा वास्तुकला विद्यालयष्नई दिल्ली के वर्तमान निदेशक प्रो. (डॉ.)वी.के.पाल के निर्देशन में किया है ।आपको बताते चले कि अंतरराष्ट्रीय कंपनी के.पी.एम.जी.गुरूग्राम (हरियाणा) में कार्यरत डॉ. पर्णिका देश के प्रतिष्ठित गीतकार जयराम जय की पुत्री केन्द्रीय विद्यालय आई.आई.टी.कानपुर की विद्यार्थी रही हैं.

जन कवि कैलाश के रचना विमर्शों की विविधा का कोई सानी नहीं: बेशरम

करछना। जन कवि कैलाश गौतम की रचनाओं में जनजीवन और जनमन का समसामयिक यथार्थ गतिमान रहा तो वहीं भोजपुरी लोकभाषा के गहबर रंगों के साथ समाज के अन्तिम

व्यक्ति के लोकजीवन, लोक परम्परा, लोक–संस्कृति,लोकसंस्कार की परिधि में रचे–बसे अपने अनूठे रचना संसार को लेकर सदियों तक लोकमन में रचे–बसे रहेंगे। अपनी लोकप्रियता को लेकर उनके रचना विमर्शों की विविधा का कोई सानी नहीं। यह बातें जनकवि कैलाश गौतम की पुण्यतिथि पर उनके शिष्य कवि,लेखक आकाशवाणी,दूरदर्शन से जुड़े मंच संचालक अशोक सिंह बेशरम ने के एन अवस्थी कॉन्वेंट स्कूल कटका में आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सिली माचिस की तीलियां,तंबुओं का शहर जोड़ा ताल,सिर पर आग और कविता लौट पड़ी जैसे अनूठे काव्य संग्रहों में ग्रामीण लोक जीवन का परिदृश्य,तीरगी,दर्द,उठा पटक के लोकरंग जीवन्त हुए। अमवसा का मेला, कचहरी,पप्पू की दुलहिन जैसी रचनाएं तो आम आदमी की जुबान पर बस गईं। अपने निजी लोक जीवन में उनका हंसमुख स्वभाव,सादगी,परोपकारभाव,सहजता मृदुभाषिता और सहयोगी प्रवृत्ति उनकी गुरुता और गुरुत्वता के पर्याय बने रहे। उनकी सोच और चिंतन के कैनवास पर सदैव आमआदमी ही समक्ष रहा। आज के बदलते दौर में उनके गढ़े सहज हास्य व्यंग्य, अनुहार,मनुहार,हंसी ठिठोली,ढंग और राग, रंग,विभाषा के स्तर पर बोली–बानी के नए कलमकारों के लिए प्रेरणादायक बने रहेंगे। साथ ही कैलाश जी की कालजई कृतियां चिंतन के साथ सर्वसमाज में सदैव लोकप्रिय बनकर नव जागरण का श्रोत बनी रहेंगी। विद्यालय के शिक्षकों ने भी उनकी कई रचनाओं की चर्चा करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए तो वहीं प्रबंधक राजू अवस्थी ने कहा कि मंचों पर अपनी आकर्षक प्रस्तुति, अभिव्यक्ति के साथ लोगों के दिलों में उतर जाते थे। सभी ने दो मिनट का मौन रखते हुए उनकी स्मृतियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर स्थानीय प्रबुद्धजन,समाजसेवी, शिक्षक और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

काव्य गोष्ठी सपन्न

नोएडा । शहर समता विचार मंच.नोयडा इकाई की महिला काव्य गोष्ठी आ० प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा जी के दिशा निर्देश में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । इस काव्यगोष्ठी की मुख्यअतिथि 'सैयदा अनोवारा खातून' जी रहीं। 'सिद्धि डोभाल' जी ने कर्यक्रम का अध्यक्ष पद संभाला। यह काव्य गोष्ठी शाम 6 बजे से 7 बजे तक चली जिसका शुभारंभ आ० अरुण त्रिवेदी ष्अनुपमष ने किया ।सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति व माल्यार्पण 'डॉ ममता जोशी ' ने किया ।अनोवारा जी ने अपनी एक सुंदर प्रस्तुति भी दी। काव्य गोष्ठी का कुशल घ्संचालन ममता जोशी , संयोजन आ0 प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा जी ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी बहिनों ने अपनी अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये ।चाहे वो प्रवीणा त्रिवेदी जी की रचना ष्जगमग जगमग ज्योति जली है ष हो अर्चना कोहली जी की रचना ष्अन्न की बर्बादी ष हो या अनीता सिंह जी की उम्दा गजल ष्तुम बिछड़ने की इल्तिजाष हो या बहिन अवंतिका जी की रचनाष कितना ही दूर चले जाओष हो या ममता जी की रचनाष तथा अल्पना जैन जी की रचनाघ जिंदगी का एक वर्ष और कम घ हो या शिवानी चन्द्रा जी की घ्दुख जब भी तुझपर आएगाघ हो कुल मिलाकर सभी की रचनाओं ने एक सुंदर सा समां सा बाँध दिया। घ्पूरा आयोजन बहुत ही सुंदर हो गया । आयोजन का समापन अवंतिका जी ने ही किया।

शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग सशहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी डॉ अनिता पंडा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सोनिका शर्मा, जम्मू कश्मीर से और अति विशिष्ठ अतिथि सुष्मिता दास, शिलांग से जुड़े। यह काव्य गोष्ठी 08 दिसंबर, रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक ऑनलाइन चली। जिसका शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर गणेश वंदना और सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति के साथ किया गया। काव्यगोष्ठी का कुशल

संचालन नीता शर्मा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, दया शर्मा, नीता शर्मा, सुनीता भट्ट, रंजना वर्मा उन्मुक्त, पदमा मोटवानी, सोनिका शर्मा, राम पारीक, नवीन राणा, अनुपमा प्रधान, सुष्मिता दास, मल्लिका दे विष्णु, शबरी सरकार और रीमा जोशी ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। अतिथियों ने भी अपनी सुंदर रचनाओं द्वारा सबका मन मोह लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता और समीक्षक डॉ अनिता पंडा ने सभी कलमकारों की रचनाओं की समीक्षा कर सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में नीता शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

सम्पादकीय.....

महंगाई, आरबीआई और सरकार

आरबीआई इस बार रेपो रेट 6.5 फीसदी पर स्थिर रखा. इसके पीछे मुख्य कारण यह था कि अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में खाद्य महंगाई लिमिट से अधिक बनी रही। अनुमान के अनुसार खाद्य महंगाई में कमी केवल अगले साल की शुरुआत में दिखाई देगी। महंगाई में वृद्धि का असर जनता की खरीदने की शक्ति पर पड़ता है। यदि इसे समय पर नियंत्रित न किया जाए, तो इससे अर्थव्यवस्था की नींव हिलने लगती है। आरबीआई को ऐतिहासिक रूप से ग्यारहवी बार रेपो रेट स्थिर रखना शायद इसी बॉत का संकेत है। ऐसे में अगर महंगाई को लेकर आरबीआई गर्वनर शशिकान्त दास ने दो केन्द्रीय मंत्री सीतारमण और पीयूष गोयल के अनुरोध को दर किनार कर रेपोरेट स्थिर रखा है तो इस बारे में सरकार को भी अब गम्भीरता से विचार करना चाहिए। सरकार को अब इस बॉत पर गौर करना चाहिए कि स्थिर और सीमित आय में जीवनयापन कर रही देश की 70 से 80 प्रतिशत आबादी का जीवन बद से बद्तर स्थिति की ओर अग्रसर है। किसानों के प्रति हमदर्दी जताते हुए भले ही आरबीआई ने दो लाख तक कर्ज बिना गारन्टी कर दिया हो लेकिन इस महंगाई में किसान उसे चुकाऐगा कैसे इस पर भी गहन विचार किया जाना चाहिएं। यह ग्यारहवीं बार है, जब रेपो दर यथावत रखा गया। यह पिछले वर्ष की फरवरी से साढ़े छह फीसद पर बना हुआ है। इसका बोझ सबसे अधिक घर और वाहन के लिए कर्ज लेने वाले मध यवित्त वर्ग को उठाना पड़ रहा है। इसलिए वे उम्मीद लगाए हुए थे कि अगर रेपो दर में कमी की जाएगी तो उनके कर्ज पर किस्तें कुछ कम होंगी। मगर महंगाई के ऊपर की तरफ बने हुए रुख दो देखते हुए रिजर्व बैंक ने फिलहाल इसमें किसी तरह का बदलाव करना उचित नहीं समझा।रेपो दर वह ब्याज दर है, जिस पर बैंक रिजर्व बैंक से कर्ज लेते हैं। जाहिर है, उससे अधिक दर पर वे अपने ग्राहकों को कर्ज देते हैं। पिछले वर्ष रेपो दर में बढ़ोतरी का कुछ असर महंगाई पर देखा भी गया था। मगर इतनी लंबी अवधि का अनुभव यही है कि रेपो दर ऊंची रखने से महंगाई पर कोई बहुत असर नहीं पड़ रहा। बैंकों के कारोबार पर पड़ते नकारात्मक प्रभाव को कम करने के मकसद से सीआरआर यानी आरक्षित नगद अनुपात में पचास आधार अंक की कटौती कर दी गई है। सीआरआर यानी जो रकम बैंकों को हमेशा अपने पास आरक्षित रखनी पड़ती है। मगर इससे बैंकों को कितनी मदद मिलेगी, दावा करना मुश्किल है। अब अर्थव्यवस्था की विकास दर में कई विसंगतियां नजर आने लगी हैं। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही की विकास दर सरकार के लिए गंभीर चेतावनी की तरह आई है।ऊपर से महंगाई बेलगाम बनी हुई है। डालर के मुकाबले रुपए की कीमत चिंताजनक स्तर गिर चुकी है। विनिर्माण क्षेत्र हिचकोले खा रहा है। ऐसे में रेपो दर को यथावत रख कर महंगाई और विकास दर के बीच कैसे संतुलन बिठाया जा सकेगा, समझ से परे है। लंबे समय से लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाने के व्यावहारिक उपाय आजमाने पर बल दिया जा रहा है, मगर सरकार तमाम दावों और वादों के बावजूद रोजगार सृजन और आय में विषमता के मोर्चे पर कोई ठोस उपाय नहीं जुटा पा रही है। जबकि आरबीआई ने मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों को जिस प्रकार यथावत रखा है उससे यही संकेत मिलते हैं कि विकास की परवाह करने के साथ ही महंगाई को काबू में रखना रिजर्व बैंक की सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी हुई है। जीडीपी की तस्वीर आरबीआई, बाजार का आकलन करने वाले विश्लेषकों से लेकर बाजार में सक्रिय तत्वों के अनुमानों से भी उलट रही । अर्थव्यवस्था की गति धीमी पड़ने के संकेत तो पहले से ही दिखने लगे थे, लेकिन 5. 4 प्रतिशत की वृद्धि कई संकेत देने वाली है। यह अर्थव्यवस्था में स्थायित्व को भी रेखांकित करती है। इस धीमेपन की कारणों की पड़ताल की जाए तो नीतिगत ब्याज दरों को 21 महीने से यथावत बनाए रखने वाला आरबीआई का रुख भी इसके लिए एक हद तक जिम्मेदार है। इसे लेकर कई स्तरों पर आवाज उठती रहती है। औद्योगिक गतिविधियों को गति देने के लिए ब्याज दरों में कमी की आवश्यकता को लेकर बहस लंबे समय से जारी है। कई पहलुओं को देखते हुए आरबीआई अभी भी ब्याज दरें घटाने को लेकर संकोच कर रहा है, क्योंकि वह नहीं चाहता कि किसी भी प्रकार की मौद्रिक नरमी से स्थितियां हाथ से निकलें। फिर वही सवाल कि महंगाई से राहत कैसे मिले? ऐसा नहीं है कि महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार के पास कोई उपाय बचे नहीं हैं। लंबे समय से यह मांग उठ रही है कि केंद्र और राज्य सरकारें पेट्रोल और डीजल पर वसूले जाने करों को घटाएं। इससे इन उत्पादों के दाम नीचे आएंगे और फिर हर चीज के दाम पर उसका असर दिखना शुरू होगा। महंगाई को लेकर रिजर्व बैंक पहले ही चिंता जता चुका है और वह भी सरकार को पेट्रोल, डीजल पर लगने वाले करों में कटौती का सुझाव दे चुका है। हाल में रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने भी पेट्रोलियम उत्पादों पर लग वाले करों में कटौती की जरूरत बताई है। हालांकि सरकार का तर्क है कि पेट्रोल–डीजल पर वसूले जा रहे करों से जो पैसा आ रहा है उसी से गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन सवाल है कि अभी लोगों को महंगाई की और मार से कैसे बचाया जाए ? आम लोगों पर महंगाई की मार के दूरगामी असर होते हैं, जो उन्हें गरीबी की ओर धकेलते हैं। इसलिए महंगाई काबू करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए, जो लम्बे समय से नहीं दिख रही।

राहुल गांधी लड़ते क्यों नहीं हैं ?

संतोष पाठक

राहुल गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व को अप्रत्यक्ष तरीके से स्वीकार कर लेने वाले अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के विचार भी अब बदलते हुए नजर आने लगे हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों द्वारा बनाया गया इंडिया गठबंधन अब बिखरता हुआ नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी की पार्टी भाजपा का रथ 240 पर रोकने से उत्साहित विपक्षी दल के नेता ही नहीं बल्कि उनके नेता और कार्यकर्ताओं तक को लगने लगा था कि यह सरकार अब पहले की तरह अड़ कर काम नहीं पाएगी। लेकिन हर गुजरते महीने के साथ ही विपक्षी नेताओं का यह भ्रम टूटता हुआ सा नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत दिलाकर राहुल गांधी ने अपने नेतृत्व को जिस अंदाज में स्थापित करने की शुरुआत की थी, वह विश्वास भी अब दरकता हुआ नजर आ रहा है। राहुल गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व को अप्रत्यक्ष तरीके से स्वीकार कर लेने वाले अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के विचार भी अब बदलते हुए नजर आने लगे हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर जो स्वीकार्यता बढ़ती हुई नजर आने लगी थी, उसे हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पूरी तरह से चकनाचूर कर दिया है। झारखंड में विपक्षी इंडिया गठबंधन को फिर से सरकार बनाने में कामयाबी तो मिल गई है लेकिन इसका पूरा श्रेय जेएमएम नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जा रहा है। लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी गठबंधन को मिली हार का ठीकरा एक तरह से राहुल गांधी पर ही फोड़ा जा रहा है जबकि इस गठबंधन में महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता माने जाने वाले शरद पवार और बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर दावा करने वाले उद्धव ठाकरे भी शामिल हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के सहयोगी जो बातें दबी जुबान में कह रहे थे, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद वही बातें खुल कर कहने लगे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने खुल कर इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। इससे पहले उन्ही की पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए यह कह चुके हैं कि कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है, कांग्रेस ने अपने परफॉर्मेंस से इंडिया गठबंधन को निराश कर दिया है। कल्याण बनर्जी तो यहां तक बोल गए कि कांग्रेस को अपना अहंकार त्याग कर ममता बनर्जी को अपना नेता मान लेना चाहिए। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी कई बार इशारों–इशारों में और कई बार खुलकर कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठा चुके हैं। उनके चाचा रामगोपाल यादव ने तो राहुल गांधी पर खुलकर हमला बोलते हुए यहां तक कह दिया कि वे इंडिया गठबंधन के नेता नहीं हैं। उद्धव ठाकरे, पहले से ही राहुल गांधी से नाराज हैं कि अपने वादे के मुताबिक कांग्रेस नेता ने विधानसभा चुनाव के समय उन्हें महाविकास अघाड़ी की तरफ से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया। दरअसल, इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अब अपने अस्तित्व का डर सताने लगा है। उनके मन में यह बात बैठती जा रही है कि राहुल गांधी लड़ नहीं पाते हैं। राहुल गांधी न तो पीएम नरेंद्र मोदी से लड़ पा रहे हैं और ना ही साये की तरह अपने साथ चलने वाले उन कांग्रेस नेताओं से लड़ पा रहे हैं जो उन्हें अनाप–शनाप सलाह देते रहते हैं। यह बात कुछ हद तक सही भी है। राहुल गांधी चाहकर भी अपने करीबी युवा नेता सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। सर्वे रिपोर्ट के बावजूद राजस्थान विधानसभा चुनाव के समय अशोक गहलोत के करीबियों का टिकट नहीं काट पाए। वादा करने के बावजूद छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल को हटाकर टीएस सिंहदेव को मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। मध्य प्रदेश में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी से अपने सबसे करीबी नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को बचा नहीं पाए। राहुल गांधी अशोक गहलोत से लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा तक किसी भी क्षेत्रीय क्षत्रप से अपनी बात मनवा नहीं पाते हैं। जिस तरह से अड़ कर उन्होंने गांधी परिवार से अलग हटकर मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवाया, उस तरह की जिद वह पार्टी के अन्य मामलों में कर नहीं पाते हैं। नतीजा यह है कि देश के कई राज्यों में आज सांगठनिक दृष्टि से कांग्रेस एक तरह से खत्म सी नजर आ रही है। उन्होंने जिन केसी वेणुगोपाल को राष्ट्रीय संगठन महासचिव बनाकर, संगठन बनाने की जिम्मेदारी दी है, वह जनाब संगठन बनाने से ज्यादा तवज्जों राहुल गांधी के साथ हमेशा घुमने को देते नजर आते हैं। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि क्या राहुल गांधी इन बातों को समझ नहीं पा रहे हैं और अगर समझ रहे हैं तो फिर लड़ क्यों नहीं पा रहे हैं ?

विविध रंगों का वैश्विक पुष्प गुच्छ है भारत,अद्भुत अनूठी मिसाल

संजीव ठाकुर

पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब डिस्कवरी ऑफ इंडिया में लिखा है कि भारत स्वयं में एक लघु विश्व है। निसंदेह भारत पर अध्ययन करने वाले सभी चिंतकों तथा विद्वानों ने एकमत से यह माना है कि भारत विविधताओं व बहुलताओं के मामले में विश्व का अनूठा एवं दिलचस्प देश है। अनेक प्रकार की भाषाएं, रीति रिवाज, खान–पान, रहन–सहन, लोकगीत,नृत्य, धर्म, संप्रदाय, सामाजिक संरचनाएं और संस्थाएं इस देश को बेहद बहुलतावादी और वैविध्यपूर्ण राष्ट्र बनाती है। इस विशाल, बहु भाषाई, बहु सांस्कृतिक देश की अपनी विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, दार्शनिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, जनसांख्यिकी और भाषाई विभिन्नताएं, विषमताऐ और विशेषताएं विद्वमान है। जो इस देश की विविधता में एकता की खूबी को प्रदर्शित करती है। भारत की सामाजिक संरचना स्वयं में काफी जटिल है। देश में समाज बहुत सारे वर्गों उप वर्गों में बटा हुआ है, इसी तरह यहां समाज में ग्रामीण, उपनगरीय, नगरीय, महा नगरीय, जनजातीय, पहाड़ी कैसे वर्गों में विभाजित हुआ है। भारत में सामाजिक वर्ग भेद के साथ अंदरुनी अंतर्द्वंद भी बहुत ज्यादा है,जैसे कि एकल परिवार और संयुक्त परिवार जातिवादी जाति विहीन समाज ग्रामीण नगरीय द्वंद विवाह सन्यास का द्वंद जो अनेक रूपों में भारतीय समाज में जनमानस के रूप में दिखाई देता है और यह द्वंद स्वतंत्रता के पश्चात से दिखाई देने लगा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जहां ग्राम स्वराज को आर्थिक विकास की धुरी मानते हुए सर्वोदय पंचायती राज स्वरोजगार एवं परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना चाहते थे,दूसरी तरफ पंडित जवाहरलाल नेहरू का झुकाव औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े क्षेत्र को तीव्र औद्योगिकरण , कल कारखानों को मजबूत करने की ओर था। इसीलिए भारतीय समाज में मिश्रित अर्थव्यवस्था की नई व्यवस्था के माध्यम से इसका समुचित समाधान निकाला गया था। भारत के राजनीतिक द्वंद भी बहुतायत में रहे हैं। आजादी से पहले कांग्रेस के गरम पंथ हुआ नरम पंथ का द्वंद चलता रहा है और पूर्ण स्वराज की मांग का उहापोह तथा आजादी के बाद संविधान निर्माण के समय संविधान की संघात्मक तथा एकात्मक रचना का विवाद या समाजवाद पूंजीवाद का द्वंद इसी तरह भारत दोनों में उलझता रहा है, और उसके बाद समाधान निकाल कर उससे बाहर भी आया है। भारत धार्मिक ,दार्शनिक व आध्यात्मिक दृष्टि से एक बेहद समृद्ध राष्ट्र रहा है। विश्व के चार प्रमुख धर्मों हिंदू, सिख, बौद्ध ,जैन की जन्मस्थली भारत ही रही है। इसी तरह भारत वेद पुराणों, उपनिषदों ,ब्राह्मणों, समितियों और आरण्यकों के प्राचीन साहित्य से लबालब भी रहा है। इसके अलावा इस्लाम ,ईसाई ,पारसी जैसे धर्मों को देश में स्वयं सम्मानित कर अपनी मुख्यधारा में समाहित भी किया है। भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति के मामले में गुटनिरपेक्षता की नीति को अपना कर किसी भी गुट में न रहते हुए स्वतंत्र विकास की नीति को अपनाया था। जो कालांतर में भारत की विदेश नीति का आधार स्तंभ रहा है। भारत में बहुआयामी विविधता भी रही है। स्वतंत्रता संग्राम में राजनेताओं ने जहां एक स्वर में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का पक्ष लिया था वहीं दूसरी तरफ देश के कुछ हिस्सों में हिंदी विरोधी आंदोलन तक हुए हैं। भारत में संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा देते हुए कुल 22 भारतीय भाषाओं को आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कर भाषाई सौहार्द्र और समन्वय का बखूबी परिचय भी दिया है। और भारत में भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी चरित्र को बनाए रखने की भविष्य में भी निरंतर आवश्यकता बनी रहेगी। भारतीय समाज की विविधता पूर्ण सांस्कृतिक,साहित्यिक, दार्शनिक व्यवस्था के बीच विद्वानों ने चिंतन मनन कर किसके बीच का समाधान भी निकाला है एक का सबसे बड़ा उदाहरण भारत में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को महत्व देते हुए मिश्रित अर्थव्यवस्था का अंगीकार करना है। भारत की विजेताओं के विभिन्न नेताओं ने भारत देश के अंदरूनी मामले को लेकर देश की अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था तथा राजनीतिक व्यवस्था को काफी मजबूत तथा पुख्ता भी किया है। भारत की विविधता में एकता के सिद्धांत पर चलते हुए भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था राजनीतिक व्यवस्था तथा विदेशी नीति पर एक मजबूत आधार स्तंभ रखकर अपनी विश्व में एक अलग छवि तथा स्थान बनाया है। भारत में अनेक विविधताओं विषमताओं को विशेषता बनाकर समाधान अपने बीच ही खोज कर विश्व को एक कीर्तिमान बनाकर दिखाया है। आज भारत मैं इतनी बड़ी जनसंख्या और विभिन्न जातीय धर्म संस्कृति भाषाएं होने के बावजूद एकजुटता की नई मिसाल दिखाकर विश्व के किसी भी देश को टक्कर देने की स्थिति में है। भारत आज विकासशील देशों में अग्रणी देश माना जाता है। भारत की यही विविधता,विषमता ,साइंस, टेक्नोलॉजी,मेडिकल साइंस तथा सामरिक क्षेत्र में अद्भुत एकजुटता किसी भी देश के आक्रमण का सामना करने के लिए सीना तान कर खड़ा होने की शक्ति सामर्थ और ताकत भी प्रदान करता है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने जितनी प्रगति और वैश्विक स्तर पर विदेशी देशों का विश्वास अर्जित किया है वह निसंदेह भारत की प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक परंपरा के कारण ही है। भारत की विविधता में एकता भारत की एक बड़ी शक्ति है जिसे हमें निरंतर बनाए रखना होगा तब जाकर हम किसी भी देश के सामने सिर उठाकर खड़े हो सकते हैं।

ज्ञान है तो शान है,ज्ञान के सूरज से परे होता अज्ञानता का अंधकार

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैंस संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया हैस वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप हैस यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया हैस जिस देश की भाषा,शिक्षा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई नई–नई गाथाएं लिखीं जाएंगीस मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा हैस शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती है, शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है, शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैंस शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया हैस वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती हैस पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया हैस यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया हैस शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है, हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है, दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है, राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय हैस भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए–नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है। दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें ,क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

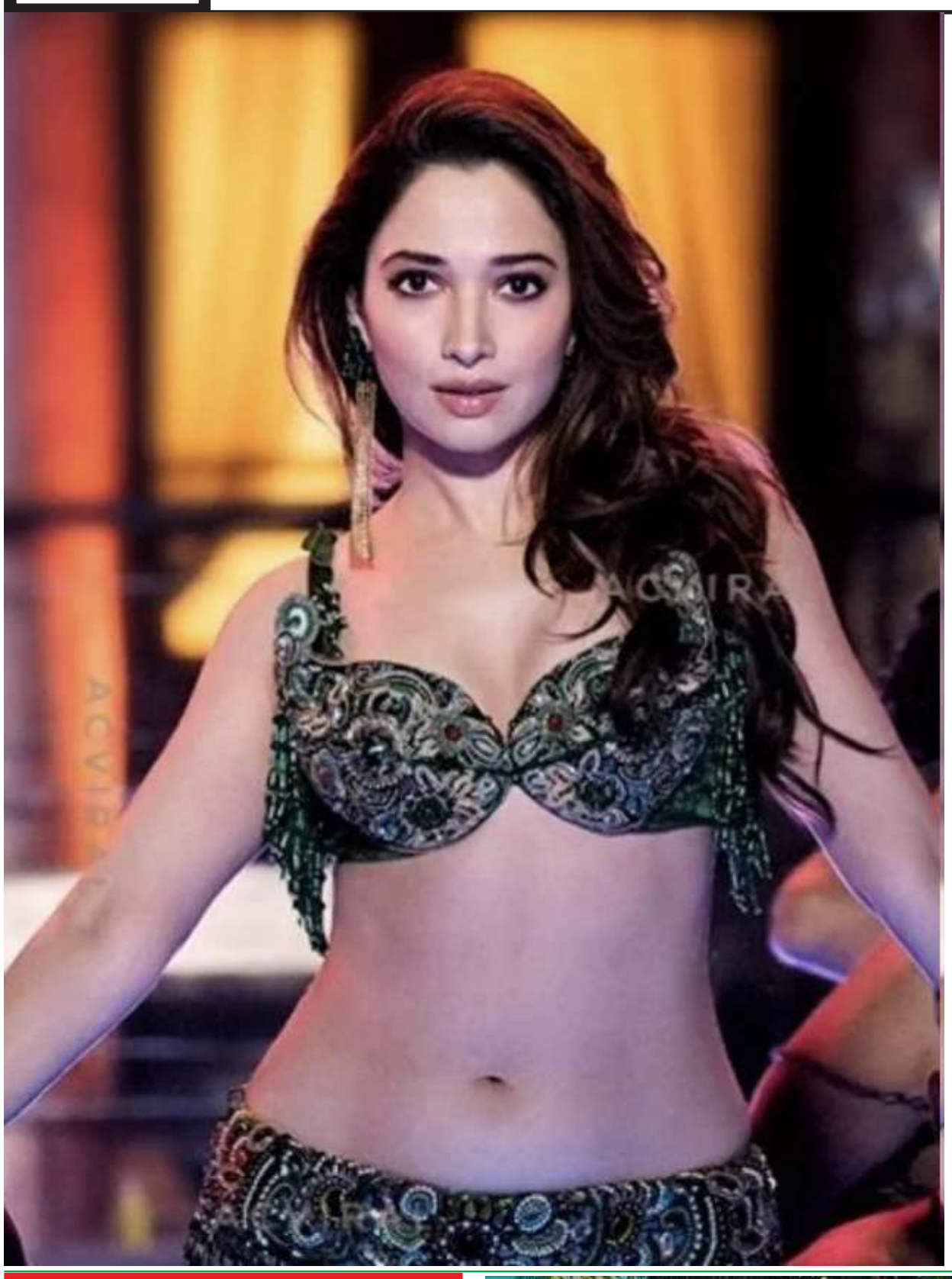

कोरोना के बाद वायरल होने वाली चीज मैं ही हूं... आज की रात से सुर्खियों में आईं तमन्ना भाटिया का बयान

फिल्म 'स्त्री 2' के हिट सॉन्ग आज की रात में नजर आने के बाद तमन्ना भाटिया सोशल मीडिया सनसनी बन गई है। शादियों, पार्टियों में एक्ट्रेस का ये गाना खूब बज रहा है और इसमें एक्ट्रेस की परफॉर्मेंस को भी खूब पसंद किया जा रहा है। इतना ही नहीं, इस गाने पर लोग रील्स बना–बनाकर खूब वायरल कर रहे हैं। गाने को मिले फैंस के बेशुमार प्यार को लेकर तमन्ना ने कहा कि कोरोना के बाद वायरल होने वाली चीज मैं ही हूं। तमन्ना भाटिया कहती हैं– इतना प्यार पाना बहुत ही खूबसूरत अहसास है। रील्स या शार्ट्स ऐसी चीजें हैं जिन्हें लोग अपने दोस्तों या परिवार के साथ मजाक–मस्ती में देखते और बनाते हैं। यह साथ मिलकर करने वाली एक एक्टिविटी की तरह है। हम इंसान हैं, जब इस तरह एक साथ इतना प्यार मिलता है तो बहुत खुशी मिलती है। अपने प्रोजेक्ट के लिए लोगों से मिलने वाली प्रतिक्रियाओं पर ध्यान देने की बात पर तमन्ना कहती हैं,'मैं कभी किसी से यह नहीं पूछती कि फिल्म कैसी चल रही है। अगर किसी को यह बात पूछनी पड़ रही है तो ये अच्छा नहीं है। ऐसे व्यक्ति, जो हमारे काम के दायरे में न हों, जो हमारी इंडस्ट्री से न हों, ऐसे लोग अगर मेरे प्रोजेक्ट्स को अच्छा बोलते हैं तो उसे अच्छा मानती हूं और बुरा बोले तो बुरा मानती हूं। मेरे लिए उन दर्शकों के सुझाव सुनना जरूरी है।' बता दें, कई साउथ और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकीं तमन्ना भाटिया को हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' में देखा गया है। बचपन के दिनों को अपने दिल के सबसे करीब मानने वाली तमन्ना के अनुसार, भाग्य ने उन्हें उनके सोच से कहीं ज्यादा दिया है।

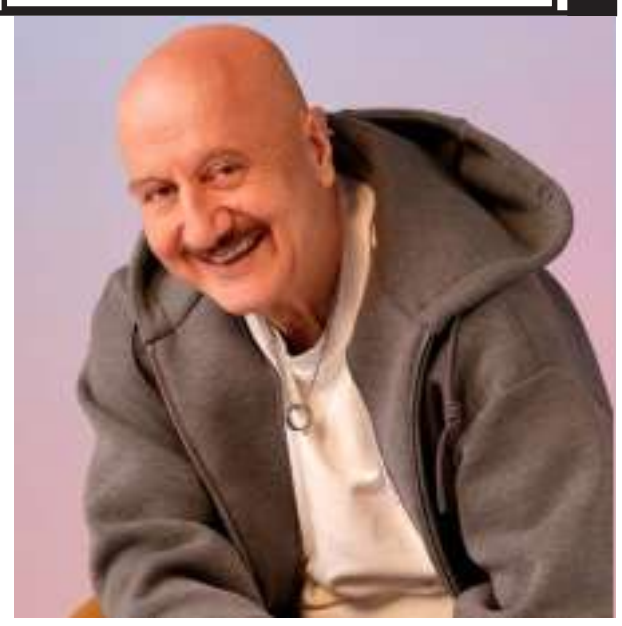

अनुपम खेर ने किया वंदे भारत ट्रेन का सफर, वीडियो शेयर कर बताया यात्रा का एक्सपीरियंस

हिंदी सिनेमा के मंझे हुए एक्टर अनुपम खेर सोशल मीडिया की दुनिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अपनी जिंदगी से जुड़ा हुआ हर एक्सपीरियंस फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। अब हाल ही में अनुपम ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दो छोटे वीडियो शेयर किए, जिनमें वह ट्रेन में सफर करने के अपने अनुभव को फैंस के साथ शेयर करते नजर आए। पहले वीडियो अनुपम खेर ने रेल मंत्रालय को टैग करते हुए शेयर किया, जिसमें वह ट्रेन की खिड़की के पास बैठे हुए दिख रहे थे। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, वंदे भारत अनुभव, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वह इस ट्रेन यात्रा का आनंद ले रहे थे। दूसरे वीडियो में अनुपम खेर ने रेल मंत्रालय का धन्यवाद किया और इस यात्रा के अनुभव को शेयर किया। बता दें, अनुपम खेर को हाल ही में फिल्म शविजय 69श में देखा गया था। इस फिल्म में अपनी भूमिका में फिट बैठने के लिए उन्हें सात किलो वजन घटाना था और उन्होंने महज तीन महीने में यह कर दिखाया। इस बात का खुलासा करते हुए हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर लिखा था– अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के बाद ही आप बदलाव ला सकते हैं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह कर पाऊंगा। लेकिन अब मैं यह कह सकता हूं कि कुछ भी हो सकता है! जय हो! अनुपम खेर का यह संघर्ष और प्रेरणादायक कदम उनके फैंस के लिए एक बड़ा संदेश है, कि अगर किसी भी काम के लिए दिल में ठान लिया जाए, तो कोई भी कठिनाई बड़ी नहीं होती।

धर्मेंद्र का सनी और बॉबी के साथ बर्थडे सेलिब्रेशन, दोनों बेटों संग एक्टर ने काटा केक

आज 8 दिसंबर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र अपनी 89वीं सालगिरह मना रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने अपने फैंस और मीडिया के साथ अपने घर के बाहर जश्न मनाया। इस खुशी के मौके पर उनके बेटे सनी देओल और बॉबी देओल भी उनके साथ थे। सोशल मीडिया पर इस सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही हैं। धर्मेंद्र के घर के बाहर फैंस ने उनके फिल्मी पोस्टर्स और तस्वीरें लगाई थीं, जिन पर लिखा था ष्ळवक वि ठवससलूववकष्। जब धर्मेंद्र ने केक काटा, तो उन्होंने ब्राउन शर्ट, ब्लैक लेदर जैकेट और ब्लैक हैट पहना था, जबकि सनी और बॉबी ने कैजुअल लुक अपनाया। केक काटते समय सनी ने धर्मेंद्र को केक का एक टुकड़ा खिलाया और दोनों बेटे मुस्कराते हुए पोज देते रहे। इसके बाद, धर्मेंद्र ने पापराजी और फैंस के साथ फोटो खिंचवाईं और उन्हें धन्यवाद दिया। धर्मेंद्र के परिवार से उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं मिलीं। उनकी बेटी ईशा देओल ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने पिता के घर के बाहर पोस्टर्स को देख रही थीं और लिखा, हैप्पी बर्थडे पापा हम आपको बहुत प्यार करते हैं। हमेशा खुश और स्वस्थ रहें। पापा के फैंस को धन्यवाद, जिन्होंने यह प्यारे पोस्टर्स और तस्वीरें लगाई। बॉबी देओल, जिनकी फिल्म एनिमल ने पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया, ने भी अपने पिता के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, पापा, मैं आपको सबसे ज्यादा प्यार करता हूं, हैप्पी बर्थडे। वहीं, सनी देओल ने भी एक वीडियो पोस्ट किया और अपने पापा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। धर्मेंद्र के पहले विवाह से चार बच्चे हैं–सनी देओल, बॉबी देओल, विजेता, और अजीता। उनके दूसरे विवाह से हेमा मालिनी के साथ दो बेटियां हैं–ईशा देओल और आहना देओल। धर्मेंद्र को आखिरी बार ष्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाष फिल्म में देखा गया था, जिसे अमित जोशी और अराधना साह ने डायरेक्ट किया था। धर्मेंद्र ने बॉलीवुड में बंदीनी, फूल और पत्थर, ममता, अनुपमा, गुड्डी, और शोले जैसी हिट फिल्मों से दर्शकों के दिलों में अपनी एक खास जगह बनाई।

हीरो बनने से पहले शत्रुघ्न सिन्हा ने फिल्मों में निभाई खलनायक की भूमिका, आज मना रहे 78वां जन्मदिन

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा आज यानी की 09 दिसंबर को अपना 78वां जन्मदिन मना रहे हैं। न सिर्फ फिल्मों में बल्कि राजनीति में भी शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी एक अलग पहचान बनाई। वह फिर बॉलीवुड फिल्मों के हीरो हों या विलेन या फिर मंत्री हों या विपक्षी सांसद, शत्रुघ्न सिन्हा अपने हर किरदार में हिट रहे। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर शत्रुघ्न सिन्हा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

बिहार के पटना में 09 दिसंबर 1945 को शत्रुघ्न सिन्हा का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम भुवनेश्वरी प्रसाद सिन्हा तथा माता श्यामा देवी था। शत्रुघ्न के पिता चिकित्सक थे और वह चाहते थे कि उनका बेटा भी डॉक्टर बनेष लेकिन शत्रुघ्न बचपन से ही फिल्मों में काम करने की इच्छा पाल बैठे थे। ऐसे में पिता की इच्छा को दरकिनार करते हुए उन्होंने फ़िल्म एण्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ पुणे में एडमिशन ले लिया।

फिल्मी सफर

बता दें कि शुरुआती दिनों में शत्रुघ्न सिन्हा को कटे होंठ के कारण फिल्में नहीं मिल रही थी। ऐसे में अभिनेता प्लास्टिक सर्जरी कराने की सोचने लगे थे। लेकिन देवानंद ने उन्हें ऐसा करने से मना कर दिया था। वहीं अभिनेता के चेहरे पर एक लंबे कट का निशान है। यह निशान खलनायकी में उनका प्लस प्वाइंट बन गया। अभिनेता ने अपने एक्सप्रेशन में फेस के इस कट का जबरदस्त इस्तेमाल कर अपने अभिनय को बेहद शानदार बनाने का काम किया। साल 1969 में फिल्म 'साजन' से शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की। उनकी डायलॉग डिलीवरी अभिनेता राजकुमार की तरह एकदम मुंहफट रही। यही कारण है कि शत्रुघ्न सिन्हा को 'बड़बोला एक्टर' घोषित कर दिया गया। क्योंकि अभिनेता के मुंह से निकलने वाले शब्द बंदूक की गोली के समान होते थे। जिसके कारण शत्रुघ्न सिन्हा को श्शॉटगनश का टाइटल भी दे दिया गया। शत्रुघ्न ने चार दशक में करीब 200 से अधिक हिंदी फिल्मों में काम किया है। वहीं फिल्मों में उनके निगेटिव रोल पसंद किए जाने लगे। इसके अलावा अभिनेता ने एक्टिंग के साथ–साथ 'दोस्त', 'कशमकश' और 'दो नारी' फिल्मों में गाने भी गाए हैं। जब हिंदी सिनेमा में बिहारी बाबू उर्फ शॉटगन उर्फ शत्रुघ्न सिन्हा की एंट्री हुई, तो उस दौर में मल्टी स्टारर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही थीं।

सपने में इस इंसान से मुलाकात करना चाहती है सोनम कपूर, पोस्ट शेयर कर कही अपने दिल की बात

> सोनम कपूर ने अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बीच के किनारे पर बैठकर सनसेट का आनंद ले रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने परिवार के साथ बिताए गए खुशहाल और सुकून भरे पलों की तस्वीरें भी पोस्ट की। इन तस्वीरों में वह अपने बेटे के साथ मस्ती करती हुई नजर आईं।

अभिनेत्री सोनम कपूर ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपने जीवन के बारे में कुछ दिलचस्प बातें साझा कर रही हैं। इन तस्वीरों में सोनम अपने पति आनंद आहूजा और बेटे के साथ सुकून भरे पल बिताती नजर आईं। साथ ही, उन्होंने बताया कि वह अपने जीवन के सबसे अजीब सपने में किस व्यक्ति से मिलना चाहेंगी। सोनम कपूर ने अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बीच के किनारे पर बैठकर सनसेट का आनंद ले रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने परिवार के साथ बिताए गए खुशहाल और सुकून भरे पलों की तस्वीरें भी पोस्ट की। इन तस्वीरों में वह अपने बेटे के साथ मस्ती करती हुई नजर आईं। सोनम कपूर ने बताया कि उनके एक दोस्त ने उनसे सवाल पूछा था, अगर आपको अपने सबसे अजीब सपने में किसी एक व्यक्ति से मिलना हो, तो वह कौन होगा? इस सवाल का जवाब देते हुए सोनम ने कहा, श्वह सिर्फ मैं हो सकती हूं। मैं अपने सबसे अच्छे व्यक्तित्व से मिलना चाहूंगी। जैसा हीरा तलाश कर सबसे कीमती बनता है, वैसे ही मैं अपने भीतर के सबसे बेहतरीन व्यक्तित्व को तलाशना चाहती हूं। सोनम ने कहा कि जीवन के संघर्ष और मुश्किलें ही हमें और बेहतर बनने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा, श्जो कुछ भी मैं बनना चाहती हूं, वह आज मैं हूं। यह किसी और की तरह दिखने या बनने की बात नहीं है, बल्कि मैं अपनी यात्रा पर विश्वास करती हूं जो मुझे हर दिन बेहतर बनाती है। सोनम कपूर ने इस पोस्ट में अपने पति आनंद आहूजा का भी धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा, जीवन के हर हिस्से में मेरे साथ रहने के लिए धन्यवाद। यह एक प्यारा संदेश था, जिसमें उन्होंने अपने पति के समर्थन और प्यार के लिए आभार व्यक्त किया।

हर उम्र में आपको स्वस्थ रखेंगे ये आयुर्वेदिक सुपरफूड्स, डाइट में जरूर करें शामिल

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल और खानपान में बदलाव के कारण हमारी सेहत पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण हमारे शरीर को बीमारियां घेर लेती हैं। अनियमित खानपान, ऑफिस में घंटों बैठना, फिजिकल एक्टिविटी की कमी और तनाव हमारे स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इसलिए हेल्दी रहने के लिए न सिर्फ सही डाइट का पालन करना जरूरी है, बल्कि पर्याप्त नींद, नियमित एक्सरसाइज और मानसिक शांति का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। बता दें कि आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी–बूटियों और सुपरफूड्स के बारे में बताया जाता है, जो न सिर्फ उम्र को लंबा करने में सहायक होता है। यह शरीर को शक्ति, ऊर्जा और मानसिक संतुलन प्रदान करता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन आयुर्वेदिक सुपरफूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका सेवन करने से व्यक्ति दीर्घायु और स्वस्थ जीवन मिलता है।

आयुर्वेदिक सुपरफूड्स

आंवला

आंवले में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और शरीर की इम्यूनिटी को भी मजबूत करता है। साथ ही आंवला पाचन को दुरुस्त करता है यह त्वचा और बालों को भी हेल्दी बनाता है। नियमित रूप से आंवले का सेवन करने से आप अपनी उम्र से कम लगते हैं।

अश्वगंधा

अश्वगंधा में एक बेहतरीन एंटी–एजिंग हर्ब मानी जाती है। यह तनाव को कम करने, मांसपेशियों की ताकत और मानसिक शक्ति बढ़ाने में सहायक होता है। अश्वगंधा का रोजाना सेवन करने से दीर्घायु के लिए फायदेमंद है।

हल्दी

हल्दी एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटी–इंफ्लेमेटरी एजेंट है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। हल्दी में करक्यूमिन कंपाउंड पाया जाता है। जो बीमारियों से लड़ने में और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होता है।

घी

गाय के घी को आयुर्वेद में बेहद पवित्र माना गया है। यह शरीर को अंदर से पोषण प्रदान करने का काम करता है। घी में कई तरह के विटामिन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। यह मस्तिष्क और हड्डियों की मजबूती के लिए बेहद जरूरी होता है।

मोरिंगा

मोरिंगा को सहजन के नाम से भी जाना जाता है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडें पाया जाता है। इसमें प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। बता दें कि मोरिंगा शरीर को एनर्जी देने और इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक हैं।

त्रिफला

त्रिफला तीन फलों का संयोजन है और यह पाचन तंत्र को भी मजबूत करता है। साथ ही यह शरीर से टॉक्सिन्स पदार्थ को बाहर निकालता है। वहीं नियमित रूप से त्रिफला का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।

शतावरी

खासतौर पर महिलाओं के लिए शतावरी महिलाओं के लिए लाभकारी होती है। शतावरी हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने, इम्यूनिटी को मजबूत रखने और शरीर को ऊर्जा देने में मदद करती है।

ब्राह्मी

बता दें कि ब्राह्मी मानसिक शांति और दिमाग की कार्यक्षमता को बढ़ाने में मददगार होती है। इसका नियमित सेवन करने से आपकी मानसिक शक्ति बढ़ती है और दीर्घायु के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

सर्दियों में हीटर के अधिक उपयोग से हो सकते हैं गंभीर स्वास्थ्य खतरे,जानिए कैसे करें बचाव

सर्दियों में रूम हीटर का इस्तेमाल एक आम जरूरत बन जाती है। गिरते तापमान के बीच, लोग अपने कमरे को गर्म और आरामदायक बनाने के लिए रूम हीटर का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या यह पूरी तरह से सुरक्षित है? रूम हीटर के फायदे के साथ–साथ इसके कई नुकसान भी हो सकते हैं, जो आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं।

ऑयल–फिल्ड रेडिएटर

इनमें से हर एक प्रकार का अपना विशेष उद्देश्य और फायदे–नुकसान होते हैं। हालांकि, लगातार रूम हीटर का उपयोग करना आपकी सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक हो सकता है।

रूम हीटर के कारण होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान

त्वचा को नुकसान

रूम हीटर या ब्लोअर के सामने लंबे समय तक बैठने से त्वचा पर बुरा असर पड़ सकता है। हीटर के कारण त्वचा की नमी खत्म हो जाती है, जिससे खुजली, रैशेज और फफोले हो सकते हैं। यह स्कैल्प को ड्राई कर देता है और बाल झड़ने की समस्या पैदा कर सकता है। चेहरे और शरीर की त्वचा पर अधिक समय तक गर्म हवा लगने से एलर्जी हो सकती है।

नेजल पैसेज का सूखना

रूम हीटर के लगातार उपयोग से नाक के अंदरूनी हिस्से (नेजल पैसेज) सूखने लगते हैं। सूखापन बढ़ने पर नाक से खून आने की समस्या हो सकती है। नाक के ऊपरी हिस्से में दर्द और जलन महसूस होने लगती है। यह समस्या उन लोगों में अधिक होती है जो पहले से साइनस या नाक से संबंधित किसी बीमारी से जूझ रहे हैं।

ब्रेन को नुकसान और इंटरनल ब्लीडिंग का खतरा

रूम हीटर का अत्यधिक उपयोग दिमाग के लिए भी खतरनाक हो सकता है। रूम में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है, जिससे ब्रेन को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। लंबे समय तक हीटर चलने से कमरे में कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर बढ़ सकता है, जो घातक हो सकता है। यह ब्रेन में इंटरनल ब्लीडिंग और यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकता है।

रूम हीटर का सुरक्षित उपयोग कैसे करें?

हीटर का इस्तेमाल करते समय कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए, जिससे आप इसके नुकसान से बच सकेंः

कमरे को वेंटिलेटेड रखें

रूम हीटर का इस्तेमाल करते समय यह सुनिश्चित करें कि कमरे में हवा का आवागमन बना रहे। खिड़कियों और दरवाजों को पूरी तरह से बंद न करें। आप खिड़कियों को हल्का सा खोल सकते हैं या कमरे में थोड़ी जगह छोड़ सकते हैं, ताकि ऑक्सीजन का स्तर घटने न पाए। वेंटिलेशन कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी खतरनाक गैसों को बाहर निकालने में मदद करता है। बंद कमरे में हीटर का लंबे समय तक उपयोग करने से दम घुटने, चक्कर आने और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है। इसलिए कमरे को वेंटिलेटेड रखना बेहद जरूरी है।

हीटर को लंबे समय तक न चलाएं

हीटर का उपयोग सीमित समय के लिए करें और इसे लगातार लंबे समय तक चालू न रखें। अगर आप रात के समय इसका उपयोग कर रहे हैं, तो इसे रातभर चलाकर सोने से बचें। इससे हवा में ऑक्सीजन और नमी का स्तर कम हो सकता है, जिससे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, लंबे समय तक चलने से हीटर ओवरहीट हो सकता है, जिससे आग लगने का खतरा होता है। कमरे को गर्म करने के बाद हीटर को बंद कर दें और गर्मी बनाए रखने के लिए कंबल या गद्दे का उपयोग करें।

ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें

हीटर के कारण हवा में नमी की कमी हो जाती है, जिससे त्वचा, नाक और गले में सूखापन महसूस हो सकता है। इसका प्रभाव कम करने के लिए ह्यूमिडिफायर का उपयोग करें। यह कमरे में नमी बनाए रखता है और वातावरण को स्वस्थ बनाता है। अगर आपके पास ह्यूमिडिफायर नहीं है, तो आप एक कटोरे में पानी भरकर कमरे में रख सकते हैं, जिससे प्राकृतिक रूप से नमी बनी रहेगी। इसके अलावा, घर के अंदर छोटे पौधे रखें क्योंकि वे भी नमी बनाए रखने में मदद करते हैं।

त्वचा और बालों की देखभाल करें

हीटर के अधिक उपयोग से त्वचा और बाल सूखने लगते हैं। इससे बचने के लिए त्वचा की उचित देखभाल करें। नहाने के बाद मॉइस्चराइजर का उपयोग करें ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे। होंठों के लिए लिप बाम का उपयोग करें ताकि वे फटने से बच सकें। बालों की देखभाल के लिए नियमित रूप से तेल मालिश करें और हाइड्रेटेड शैम्पू का इस्तेमाल करें। इसके साथ ही, दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि शरीर अंदर से हाइड्रेटेड रहे और त्वचा तथा बालों पर हीटर का प्रभाव कम हो सके।

सुरक्षा मानकों का ध्यान रखें

हीटर का उपयोग करते समय सुरक्षा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसे ऐसी जगह पर रखें, जहां से इसके गिरने या ओवरहीट होने का खतरा न हो। हीटर को फ्लेमेबल वस्तुओं, जैसे पर्दे, कपड़े या फर्नीचर से दूर रखें। कभी भी हीटर को अकेला चालू न छोड़ें और बच्चों या पालतू जानवरों को इसके पास न जाने दें। इन सावधानियों से आप न केवल सुरक्षित रहेंगे बल्कि सर्दियों में हीटर का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य और जीवन दोनों की रक्षा कर पाएंगे।

रूम हीटर के फायदे

कमरे को तुरंत गर्म करता है और ठंड से राहत दिलाता है। छोटे और बंद जगहों में ज्यादा प्रभावी होता है। सर्दियों में बच्चों और बुजुर्गों के लिए आरामदायक माहौल बनाने में मददगार। रूम हीटर का सही और सीमित उपयोग ठंड से बचने के लिए फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, इसका अत्यधिक और असावधान उपयोग स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है। बेहतर है कि आप रूम हीटर का उपयोग करते समय आवश्यक सावधानियों को अपनाएं और अपनी सेहत का ख्याल रखें।

मस्कारा लगाए बिना ही पलकें दिखेंगी आकर्षक और लंबी-घनी, जानें ये बेहतरीन टिप्स

खूबसूरत आंखें सुंदरता में चार चांद लगा देती है। इसलिए आईमेकअप काफी जरुरी होता है। अब रोज–रोज आईमेकअप करना सही नहीं होता है। अगर आप डेली पलकों को घनी–लंबी और खूबसूरत चाहते हैं तो इन टिप्स को फॉलो जरुर करें। आमतौर पर खूबसूरत आंखें दिखाने के लिए मस्कारा या फिर फेक आईलैशेज का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन रोजाना आईमेकअप करना भी ठीक नहीं होता है, वरना आंखों की पलकें टूटने लगती है, इससे अच्छा आप अपनी पलकों को आकर्षक और लंबी–घनी दिखाने के लिए इन टिप्स को अपनाएं।

पेट्रोलियम जेली का करें प्रयोग

अगर आप बिना मस्कारे के अपनी आई लैशेज को लंबा–घना और खूबसूरत दिखने के लिए वेसलिन आपकी खूब मदद कर सकता है। आप किसी पुराने मस्कारे के ब्रश को लें और उस पर पेट्रोलियम जेली अप्लाई कर सकते हैं। अब इसे आप पलकों ठीक वैसे ही लगाएं जैसे आप मस्कारा लगाते हैं।

ऑलिव ऑयल और कैस्टर ऑयल का करें प्रयोग

पलकों को अपनी घनी–लंबी और खूबसूरत दिखाने के लिए ऑलिव ऑयल और कैस्टर ऑयल का इस्तेमाल करते हैं। क्लीन मस्कारा ब्रश से अपनी उंगलियों के प्रयोग करने से थोड़ा सा ऑयल लें। फिर आप इस पलकों पर लगाते हुए उन्हें ऊपर की तरह लिफ्ट करें। इसको करने से आपकी पलकें शाइनी औक अपलिफ्ट दिखेंगी। लेकिन ध्यान रहे कि ऑयल की क्वांटिटी काफी कम रखें। ये आपके मेकअप का लुक भी बिगाड़ सकता है।

एलोवेरा जेल लगाएं

आईलैशेज को लंबा–घना दिखाने के लिए के एलोवेरा जेल का यूज करें। इसके लिए आप थोड़ा सा एलोवेरा जेल लें और मस्कारे की तरह अपनी आइलैशेज पर जरुर अप्लाई करें। इसके यूज से पलकें नेचुरली शाइन करती है, लंबी और घनी दिखती हैं।

इस तरह से बनाएं आंवले की स्वादिष्ट चटनी, बच्चों से लेकर बड़ों सबको आएगी पसंद, नोट करें रेसिपी

आंवला सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, डॉक्टर भी आंवला खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। सर्दियों में आंवला खाना काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके सेवन से कई समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। आंवले का स्वाद खट्टा होते है, जिस वजह से बच्चों को इसे खाना पसंद नहीं करते हैं। अगर आप घर पर आंवले की चटपटी चटनी बनाएंगे तो इसे सभी लोग खाना पसंद करेंगे। आइए आपको बताते हैं इसे बनाने का तरीका।

आंवले की चटनी बनाने के लिए सामग्री

– 1/2 किलो आंवला

– 1 बड़ा चम्मच तेल

– 1 बड़ा चम्मच पंचफोरन (मेथी दाना, कलौंजी, जीरा, काली सरसों और सौंफ बीज का मिक्स)

– 1 चम्मच साबुत धनिया के बीज

– आधा चम्मच से भी कम हिंग पाउडर

– 1/2 कप गुड़

– 1 चम्मच मिर्च पाउडर

– 1 चम्मच हल्दी पाउडर

– 1 चम्मच धनिया पाउडर

– 1 चम्मच काला नमक

– 1 चम्मच अदरक कटा हुआ

कैसे बनाएं आंवला की चटनी

– सबसे पहले आंवला को मीडियम आंच पर 10–15 मिनट भाप में पकाएं। जब आंवले नरम हो जाएं तो इसके बीज निकालकर आंवले का गूदा को अलग कर लें। अब एक पैन में 1 बड़ा चम्मच तेल लें, उसमें 1 चम्मच मेथी दाना, कलौंजी, जीरा, काली सरसों और सौंफ बीज डालें। इसके

बाद 1 चम्मच साबुत धनिया के बीज और थोड़ा सा हींग पाउडर डालें। फिर आप इसमें उबले हुए आंवले डालें और 5 मिनट तक अच्छे से भून लें। अब आप इसमें आधा कप गुड़ डाल दें। इसको आप मध्यम आंच पर तब तक पकाएं जब तक गुड़ पिघल न जाए और मिक्स थोड़ा गाढ़ा न हो जाए। जब यह गाढ़ा हो जाएगा तो इसे धीमी आंच पर रखें। फिर आप इसमें मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और काला नमक डालें। फिर बारीक कटा हुआ अदरक भी इसमें मिला दें। अच्छे से मिक्स के बाद आपकी आंवले की चटनी तैयार है। इसे रोटी, पराठा, चावल के साथ सर्व करें।

संक्षिप्त

लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 200 अंक फिसला, निफ्टी 24650 से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। कारोबारी लिहाज से बीते छह महीने के सबसे अच्छे हफ्ते के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर बंद हुए। बाजार में यह गिरावट एफएमसीजी शेयरों में गिरावट के कारण दिखी। गिरावट का मुख्य कारण गोदरेज कंज्यूमर्स की ओर से घटती मांग की आशंका के कारण तीसरी तिमाही के लिए पूर्वानुमानों में कटौती करना रहा। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स 200.66 (0.24:) अंकों की गिरावट के बाद 81,508.46 पर बंद हुआ। दिनभर यह 81,783.28 के उच्च और 81,411.55 के निम्न स्तर के बीच घूमता रहा। जबकि निफ्टी 58.80 (0.24:) अंक टूटकर 24,619.00 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाले शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और भारतीय स्टेट बैंक पिछड़ गए। दूसरी ओर, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल और पावरग्रिड लाभ में रहे। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे के अनुसार, पिछले सप्ताह की तेजी के बाद निवेशकों के उत्साह में कमी के कारण बाजार में सीमित दायरे में कारोबार हुआ और ज्यादातर समय यह नकारात्मक दायरे में रहा। एशियाई बाजारों में सियोल और शंघाई में गिरावट रही, जबकि टोक्यो और हांगकांग में बढ़त रही। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.89 प्रतिशत बढ़कर 71.75 डॉलर प्रति बैरल हो गया। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पिछले तीन सत्रों से लगातार शुद्ध खरीदार बने रहने के बाद शुक्रवार को बिकवाल बन गए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने 1,830.31 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 56.74 अंक या 0.07 प्रतिशत गिरकर 81,709.12 पर बंद हुआ था, जबकि एनएसई निफ्टी 30.60 अंक गिरकर 24,677.80 पर बंद हुआ था।

अदाणी के सौर ऊर्जा अनुबंध में शुल्क प्रतिस्पर्धा से कम है, नया खरीदार मिलना संभव : विश्लेषक

नयी दिल्ली । अदाणी समूह के सौर ऊर्जा अनुबंध में शुल्क प्रतिस्पर्धा से कम है और विश्लेषकों के अनुसार समझौता रद्द होने की स्थिति में कंपनी को नए खरीदार मिल सकते हैं। गौरतलब है कि कंपनी पर अमेरिका में रिश्वत देने के आरोप लगे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने अदाणी समूह के संस्थापक एवं चेयरमैन गौतम अदाणी और अन्य पर अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के आठ गीगावाट सौर ऊर्जा की आपूर्ति

का ठेका हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने में शामिल होने का आरोप लगाया है। समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया है। नोमुरा ने एक रिपोर्ट में कहा, अगर अदाणी के प्रवर्तक दोषी पाए जाते हैं, तो हमारा मानना घ्छै कि संभावित जुर्माना दिया जा सकता है, क्योंकि यह रिश्वत के मूल्य से तीन गुना तक हो सकता है। ब्रोकरेज ने कहा कि फरवरी–मार्च 2024 से गुजरात में करीब 1.8 गीगावाट की सौर परियोजनाएं शुरू हो रही हैं, जिनका शुल्क 25 साल के बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) के तहत 2.42 रुपये प्रति यूनिट है। इसमें आगे कहा गया कि इस तरह के शुल्क स्तर बहुत अधिक नहीं है, और इन प्रभावित परियोजनाओं पर संभावित पीपीए रद्द होने के बावजूद, एजीईएल को इन परियोजनाओं के लिए नीलामी के जरिये फिर से अनुबंध हासिल करने में सक्षम होना चाहिए, जिसमें शुल्क स्तरों में कोई महत्वपूर्ण कमी नहीं होगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि न्यूयॉर्क की अदालत में अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोग दायर करने के बावजूद समूह को वित्तपोषण चौनलों तक पहुंच जारी रहेगी।

जीएसटी अधिकारियों ने 35132 करोड़ रुपये की आईटीसी चोरी का पता लगाया, 17818 फर्जी फर्मों पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी अधिकारियों ने अप्रैल–अक्टूबर के बीच 17,818 फर्जी फर्मों द्वारा 35,132 करोड़ रुपये की आईटीसी चोरी के मामलों का पता लगाया है और 69 लोगों को गिरफ्तार किया है, सोमवार को संसद को यह जानकारी दी गई। लोकसभा में एक लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्र और राज्य प्राधिकरणों की ओर से डेटा एनालिटिक्स और अन्य खुफिया जानकारी के माध्यम से फर्जी फर्मों का पता लगाने के लिए नियमित कार्रवाई की जाती है। मंत्री ने बताया कि फर्जी फर्मों का पता लगाने के लिए 16 अगस्त से 30 अक्टूबर के बीच एक समन्वित विशेष अभियान चलाया गया। चौधरी ने कहा, वित्त वर्ष 2024–25 (अप्रैल–अक्टूबर) के दौरान 17,818 फर्जी फर्मों से जुड़े कुल 18,876 आईटीसी धोखाधड़ी के मामलों का पता चला, जिसमें 35,132 करोड़ रुपये की आईटीसी चोरी का संदेह है। चौधरी के अनुसार 6,484 करोड़ रुपये की बचत हुई है, जिसमें से 5,422 करोड़ रुपये आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) को रोककर और 1,062 करोड़ रुपये वसूली के जरिए बचाए गए। चालू वित्त वर्ष के दौरान अक्टूबर तक इन मामलों में कुल 69 गिरफ्तारियां की गई हैं।

मोहम्मद शमी का घरेलू क्रिकेट में जलवा, 190 स्ट्राइक रेट से ठोके रन, ऑस्ट्रेलिया के लिए बन सकते हैं खतरा

शमी की गैरहाजिरी में जसप्रीत बुमराह को दूसरे छोर से किसी और गेंदबाज से अच्छी मदद नहीं मिल रही। एडिलेड टेस्ट में ये नजर आया। हालांकि, अब भारतीय टीम की ये टेंशन दूर होती दिख रही। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल की तरफ से खेल रहे शमी ने चंडीगढ़ के खिलाफ प्री–क्वार्टर फाइनल में पहले बल्ले से दम दिखाया और फिर नई गेंद से अच्छी गेंदबाजी की।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम दूसरा टेस्ट मैच गंवा दिया। इस मौके पर भारतीय टीम में किसी खिलाड़ी की कमी खल रही है तो वह मोहम्मद शमी हैं। शमी की गैरहाजिरी में जसप्रीत बुमराह को दूसरे छोर से किसी और गेंदबाज से अच्छी मदद नहीं मिल रही। एडिलेड टेस्ट में ये नजर आया। हालांकि, अब भारतीय टीम की ये टेंशन दूर होती दिख रही। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल की तरफ से खेल रहे शमी ने चंडीगढ़ के खिलाफ प्री–क्वार्टर फाइनल में पहले बल्ले से दम दिखाया और फिर नई गेंद से अच्छी गेंदबाजी की।

घर लाते ही अंडे रखते हैं फ्रिज में? पढ़िए उससे होने वाले नुकसान

शमी ने जब बंगाल टीम को सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब ही नंबर–10 पर आकर बल्ले से प्रहार किया। शमी ने चंडीगढ़ के खिलाफ 17 गेंद में नाबाद 32 रन ठोके। उन्होंने 2 छक्के मारे और तीन चौके उड़ाए। शमी की इस पावर हिटिंग के दम पर बंगाल ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 159 रन बनाए। इसके बाद शमी ने नई गेंद से कमाल की गेंदबाजी की ओर चंडीगढ़ के ओपनर अर्सलान खान को पहली ही गेंद पर आउट कर दिया। यानी शमी गेंद और बल्ले दोनों से तैयार दिख रहे। ऐसे में ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले ये खबर टीम इंडिया

के लिए राहुत पहुंचाने वाली है। शमी ने लगातार तीन ओवर गेंदबाजी की और इसमें 13 रन देकर 1 विकेट झटका और इसके बाद वो मैदान से बाहर चले गए थे। जहां बाउंड्री लाइन के बाहर उन्हें फीजियो ने मसाज भी दी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट गंवाने के बाद शमी से जुड़े सवाल पर रोहित शर्मा ने कहा था कि, शमी के लिए दरवाजे खुले हुए हैं। लेकिन हम उन्हें लेकर बहुत एहतियात बरत रहे। हम नहीं चाहते कि वो जल्दबाजी में यहां आए और फिर उनकी तकलीफ बढ़ जाए। शमी ने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप फाइनल के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने पिछले साल जून में टेस्ट खेला था। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई थी और उससे उबरने के बाद वो रणजी ट्रॉफी खेले और अब मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में उतरे हैं।

अगले 24 घंटे में पता चल जाएगा कि तीसरा टेस्ट मैच खेलूंगा या नहीं : जोश हेजलवुड

एडिलेड,एजेंसी। 'साइड स्ट्रेन' से उबर रहे ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने एडिलेड ओवल में दो पूरे स्पेल गेंदबाजी करने के बाद कहा कि अगले 24 घंटे में यह पता चल जाएगा कि वह भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच में खेल पाएंगे या नहीं। हेजलवुड चोटिल होने के कारण यहां खेले गए दिन रात्रि टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच तीसरे दिन ही 10 विकेट से जीत लिया था। इससे हेजलवुड को मैच की परिस्थितियों में गेंदबाजी करने का मौका मिला। तीसरा टेस्ट मैच शनिवार से ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। हेजलवुड ने पत्रकारों से कहा,'' मेरा तीसरे टेस्ट मैच में खेलना अगले 24 घंटे में मेरी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगा। निश्चित तौर पर दो स्पेल गेंदबाजी करना काफी अंतर पैदा करते हैं।'' उन्होंने कहा,''अभी कुछ छोटी–छोटी चीज हैं जिन पर प्रगति हासिल करना बाकी है लेकिन अगले 24 घंटे महत्वपूर्ण है। अगले दिन फिर से गेंदबाजी करना और यह सोचना महत्वपूर्ण है कि मैं फिर से गेंदबाजी करने के लिए तैयार हूं।'' इस अनुभवी तेज गेंदबाज का साइड स्ट्रेन का पुराना रिकॉर्ड रहा है लेकिन उन्होंने कहा कि अगर एडिलेड टेस्ट वर्तमान सत्र का आखिरी टेस्ट होता तो वह इसमें जरूर खेलते।

हेजलवुड ने कहा,''यह जरूरी नहीं है कि यह सामान्य साइड स्ट्रेन हो जिससे मैं पहले भी जूझ चुका हूं, इसलिए हम किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते थे। अगर यह गर्मियों के सत्र का आखिरी मैच होता तो संभवतः मैं इसमें खेलता।'' यदि हेज़लवुड को फिट घोषित किया जाता है, तो उन्हें स्कॉट बोलैंड की जगहअंतिम एकादश में लिया जाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमांग बदानी का बड़ा दावा, कहा– ऋषभ पंत ने पैसों के लिए छोड़ी टीम

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत आईपीएल नीलामी में सबसे मंहगे खिलाड़ी के तौर पर बके हैं। उन्हें लखनऊ सुपर जांयट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा है। लेकिन इससे पहले वह पीछले साल तक दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान थे। पंत को दिल्ली कैपिटल्स ने रिटेन नहीं किया था। पंत और टीम के मालिक पार्थ जिंदल ने कहा था कि इस फैसले में पैसा का रोल नहीं था। हालांकि, टीम के हेड कोच हेमांग बदानी ने दोनों को ही झूठा ठहरा दिया है। क्रिक इट विद बदरी पॉडकास्ट में हेमांग बदानी ने सुब्रामाण्यम बद्रीनाथ को बताया कि पंत कभी रिटेन नहीं होना चाहते थे। हेमांग ने कहा कि, उसने कहा कि वह ऑक्शन में जाकर मार्केट टेस्ट करना चाहता है।

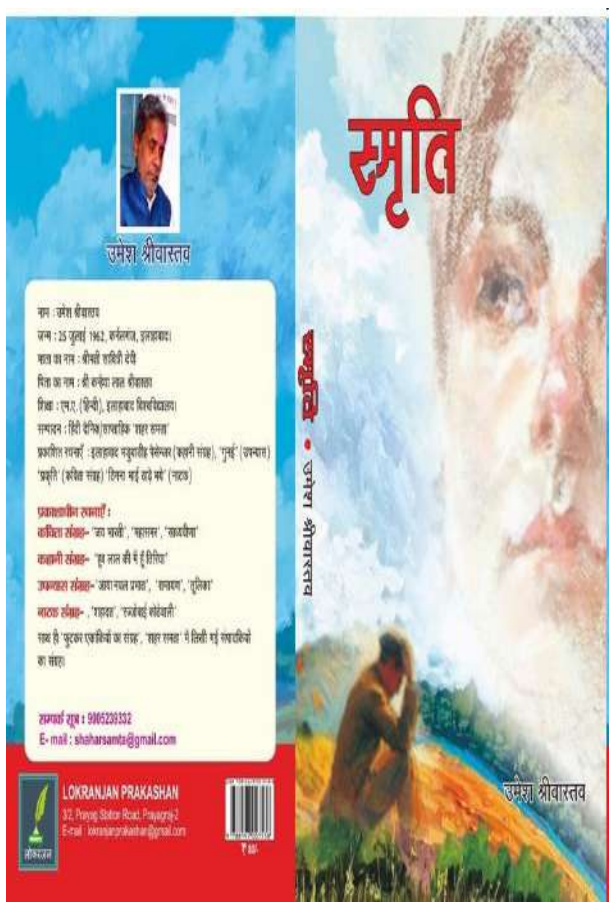

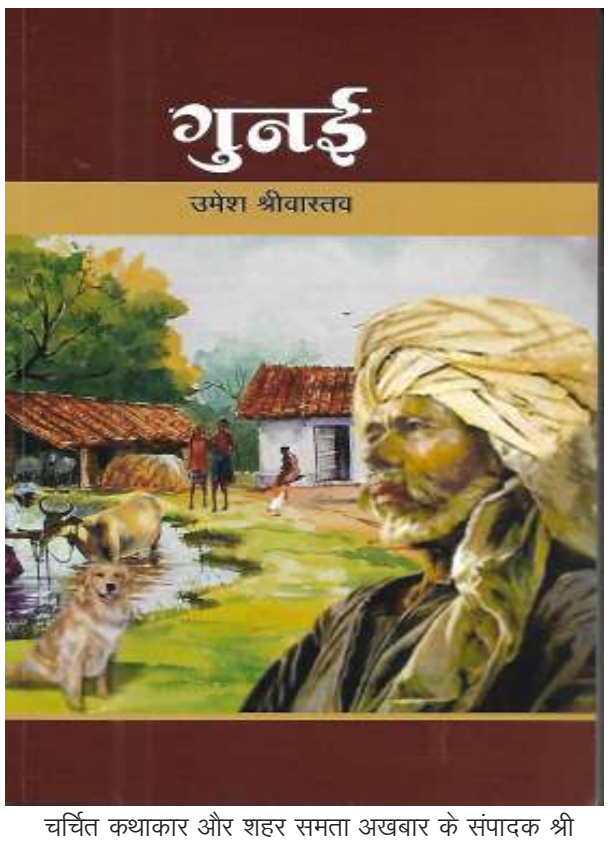

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

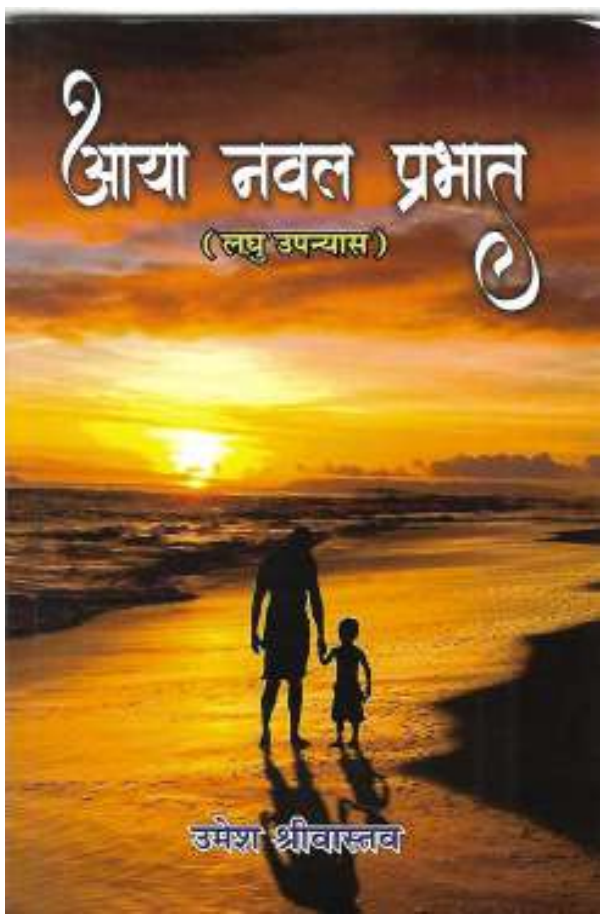

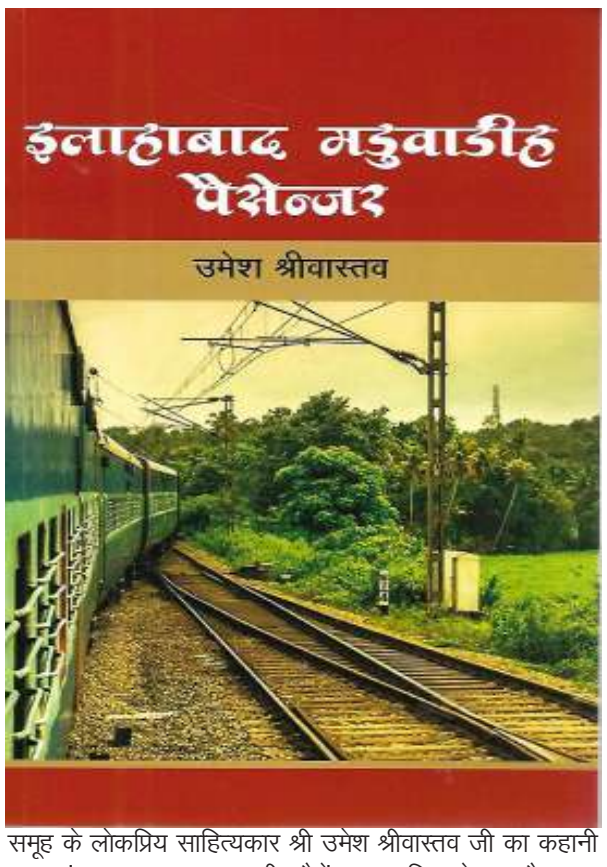

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

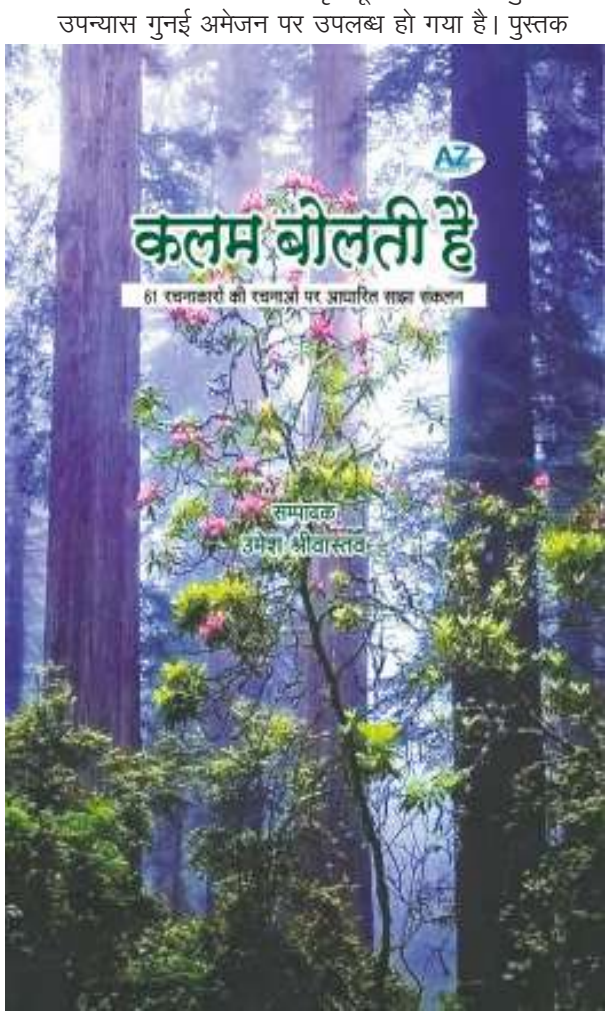

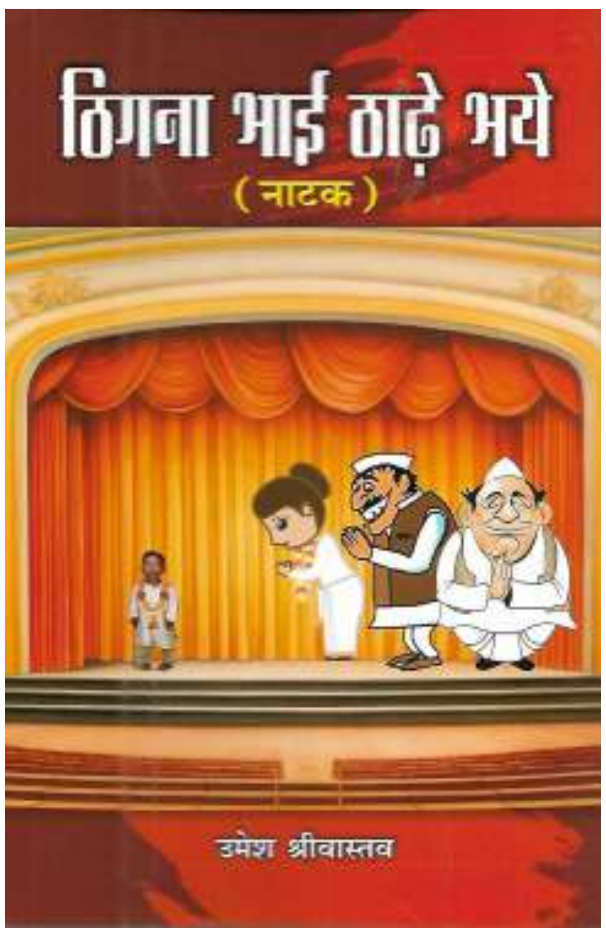

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप का यूक्रेन में तत्काल संघर्ष विराम का आह्वान, नाटो से अमेरिका के हटने की संभावना व्यक्त की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर यूक्रेन के साथ तत्काल संघर्ष विराम पर पहुंचने के लिए कदम उठाने का दबाव डाला। उन्होंने इसे, अमेरिकी राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण में काफी समय शेष होने के बावजूद इस लड़ाई को समाप्त करने में बतौर निर्वाचित राष्ट्रपति अपने सक्रिय प्रयासों का हिस्सा बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर यूक्रेन के

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का उल्लेख करते हुए लिखा, ''जेलेंस्की और यूक्रेन समझौता करना चाहेंगे और पागलपन बंद करना पसंद करेंगे।'' टेलीविजन पर प्रसारित हुए साक्षात्कार में ट्रंप ने यह भी कहा कि वह यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता को कम करने और अमेरिका को नाटो से बाहर निकालने के लिए तैयार हैं। ये दो ऐसी धमकियां हैं जिनसे यूक्रेन, नाटो के सहयोगी और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा समुदाय के कई लोग चिंतित हैं। एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह लगभग तीन साल पुराने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, ''मैं कर रहा हूं।'' उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि नवंबर में चुनाव जीतने के बाद से उन्होंने पुतिन से बात की है या नहीं। ट्रंप ने कहा, ''मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहता जिससे बातचीत में बाधा आए।'' तत्काल युद्ध विराम के लिए ट्रंप का आह्वान बाइडन प्रशासन और यूक्रेन द्वारा अपनाए गए सार्वजनिक नीतिगत रुख से परे है।

रूस दोस्तों को धोखा नहीं देता...सीरिया के राष्ट्रपति का पता चल गया

सीरिया में तख्तापलट हुआ है और बशर अल असद की सरकार को गिराया गया है। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद अपने परिवार के साथ रूस पहुंचे हैं। पहले खबर आई थी कि बशर अल असद जिस विमान से निकले हैं वो रडार से अचानक गायब हो गया है। अंदाजा ये भी लगाया गया कि कहीं हमलावरों ने उनके विमान को मार तो नहीं गिराया है। लेकिन अब ये अपडेट सामने आया है कि बशर अल असद रूस पहुंच गए हैं और अपने परिवार के साथ पहुंचे हैं। अपने परिवार के साथ वो पहुंचे हैं। सीरिया के विद्रोही लड़ाकों ने दमिश्क में निर्विरोध प्रवेश किया, असद को उखाड़ फेंका और उनके परिवार के लगभग छह दशकों के कठोर शासन को एक बिजली की प्रगति के बाद समाप्त कर दिया, जिसने 13 साल के गृह युद्ध के पाठ्यक्रम को उलट दिया। यह सीरिया में असद के 24 साल के शासन और उसके परिवार के 50 साल के शासन के अंत का प्रतीक है। विएना में रूस के राजदूत मिखाइल उल्यानोव ने अमेरिका पर बड़ा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि रूस कठिन परिस्थिति में अपने दोस्तों को धोखा नहीं देता है। इससे पहले रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल–असद ने विद्रोही समूहों के साथ बातचीत के बाद सीरिया छोड़ दिया है और श्शांतिपूर्वक सत्ता हस्तांतरणश करने के शनिर्देशश दिए हैं. यह सीरिया में असद के 24 साल के शासन और उनके परिवार के 50 साल के शासन के अंत का प्रतीक है। इस बीच, असद ने कहा है कि वह विपक्षी ताकतों को सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण के लिए तैयार हैं। टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर एक पोस्ट में, मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि असद अब कहां हैं और कहा कि रूस ने उनके प्रस्थान के आसपास की बातचीत में हिस्सा नहीं लिया है। मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को ने इन वार्ताओं में सीधे तौर पर भाग नहीं लिया था और सीरिया में हो रही ष्नाटकीय घटनाओंष पर अत्यधिक चिंता व्यक्त की।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादी हमलों में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग–अलग आतंकी हमलों में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी सरदार रिंद ने बताया कि आतंकवादियों ने शनिवार को डुकी जिले में एक कोयला खदान के पास एक जांच चौकी पर हमला किया, जिसमें फ्रंटियर कोर के दो सैनिक मारे गए और तीन अन्य जवान घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने घंटों तक चले हमले के दौरान रॉकेट, ग्रेनेड और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रभावी तरीके से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप कई हमलावर मारे गए और घायल भी हुए। हालांकि आतंकियों की सही संख्या की पुष्टि नहीं हो पाई है। ग्वादर के जिवानी कस्बे में एक अन्य हमले में आतंकवादियों ने पाकिस्तान तटरक्षक बल के गश्ती दल को दरान इलाके में एक लाइटहाउस के पास एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निशाना बनाया। पुलिस ने बताया कि इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। इस बीच कलात कस्बे में उस समय तनाव फैल गया, जब अज्ञात लोगों ने ऐतिहासिक मिरी किले के पास एक स्मारक में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि आगजनी में बलूच संस्कृति का प्रतीक स्मारक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दो प्रतिमाएं नष्ट हो गईं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

फिलहाल ब्रिक्स करेंसी का प्रस्ताव नहीं, दोहा में जयशंकर ने किया साफ– हमने कभी डी–डॉलराइजेशन की वकालत नहीं की

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि ब्रिक्स देशों का इरादा अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने का नहीं है भारत कभी भी डी–डॉलरीकरण के पक्ष में नहीं रहा है। उनका बयान अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया धमकी के जवाब में आया है कि अगर ब्रिक्स देश साझा मुद्रा की योजना पर आगे बढ़ते हैं तो 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ब्रिक्स देश इस मामले पर एकमत नहीं हैं। कतर में दोहा फोरम में बोलते हुए उन्होंने ये बात कही. वह कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान और नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ईदे के साथ एक पैनल में बोल रहे थे।

जयशंकर ने कहा कि मैं बिल्कुल निश्चित नहीं हूं कि इसके लिए ट्रिगर क्या था लेकिन हमने हमेशा कहा है कि भारत कभी भी डी–डॉलरीकरण के पक्ष में नहीं रहा है। फिलहाल, ब्रिक्स मुद्रा रखने का कोई प्रस्ताव नहीं है। विदेश मंत्री जयशंकर कतर पीएम के निमंत्रण पर दोहा फोरम में भाग लेने के लिए दोहा में हैं। ट्रंप ने 30 नवंबर को ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर को बदलने के किसी भी कदम के खिलाफ चेतावनी दी थी। उन्होंने नौ सदस्यीय समूह से प्रतिबद्धता की मांग करते हुए सदस्य देशों को ऐसे प्रयास के लिए 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी, जिसमें भारत, रूस, चीन और ब्राजील शामिल हैं। रूस और चीन ने अमेरिकी डॉलर का विकल्प लाने की कोशिश की है। ब्राजील ने भी एक साझा करंसी का प्रस्ताव रखा था, लेकिन इस पर कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। ब्रिक्स समिट से पहले रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा था कि रूस डॉलर को छोड़ना या उसे हराना नहीं चाहता है। उसे डॉलर के साथ काम करने से रोका जा रहा है। इसलिए डॉलर की जगह किसी दूसरे विकल्प को ढूढ़ना मजबूरी है। डॉलर की वैल्यू कम करने की ब्रिक्स देशों की इन्हीं कोशिशों से ट्रंप भड़के हुए हैं। ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को धमकाते हुए एक्स पर लिखा कि हमें इन देशों से ये कमिटमेंट चाहिए कि वो न तो नई ब्रिक्स करेंसी बनाएंगे। न ही शक्तिशाली अमेरिकी डॉलर की जगह किसी दूसरी करेंसी का समर्थन करेंगे। ट्रंप ने कहा कि अगर ब्रिक्स देश ऐसा करते हैं तो उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्हें शानदार अमेरिकी अर्थव्यवस्था में प्रोडक्ट बेचने को को गुडबॉय कहने के लिए तैयार रहना चाहिए। वे किसी और मूर्ख को खोज सकते हैं। इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह ले लेगा। जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा उसे अमेरिका को अलविदा कह देना चाहिए।

सीरिया में हलचल पर भारत सतर्क, अपनों से संपर्क के लिए सरकार ने दिए हेल्पलाइन नंबर

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दमिश्क में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के संपर्क में है। मंत्रालय ने सीरिया में सत्ता हस्तांतरण की शांतिपूर्ण और समावेशी प्रक्रिया का भी आह्वान किया, क्योंकि विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर नियंत्रण का दावा किया था, जो राष्ट्रपति बशर अल–असद के शासन के अंत का प्रतीक था। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम सीरिया में चल रहे घटनाक्रम के मद्देनजर स्थिति पर नजर रख रहे हैं। हम सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को संरक्षित करने की दिशा में सभी पक्षों को काम करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। हम सीरिया के सम्मान में एक शांतिपूर्ण और समावेशी नेतृत्व वाली राजनीतिक प्रक्रिया की वकालत करते हैं। विदेश मंत्रालय ने सीरिया में फंसे भारतीयों की

मदद के लिए एक आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर +963 993385973 और ईमेल आईडी hoc.damascus/mea.gov.in जारी की है। मंत्रालय ने सीरिया में रह रहे सभी भारतीयों से अनुरोध किया है कि किसी भी जानकारी या मदद के लिए दमिश्क स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क में रहें। 59 वर्षीय निरंकुश नेता युद्धग्रस्त देश से भाग गए और मास्को में उतरे जहां विपक्षी ताकतों द्वारा उनके 24 साल पुराने शासन को ज़बरदस्त हमले में गिराने के बाद उन्हें शरण दी गई। सीरिया की राजधानी में जश्न मनाया गया क्योंकि लड़ाके और निवासियों का एक वर्ग जयकार करते हुए सड़कों पर उतर आए। इस्लामी समूह हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) के नेतृत्व में विद्रोही गुटों ने दमिश्क को मुक्त घोषित किया और कहा कि हम अपने शहर की स्वतंत्रता और तानाशाह असद के पतन की घोषणा करते हैं।

विदेश सचिव मिस्री की बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार से की मुलाकात, इन मुद्दों पर चर्चा

ढाका,एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहिद हुसैन से मुलाकात की। अगस्त में शेख हसीना सरकार की सरकार के तख्ता पलट के बाद यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। मिस्री भारतीय वायु सेना के विमान से आज सुबह ढाका पहुंचे। ढाका पहुंचने के बाद उन्होंने बांग्लादेश

के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन से निजी तौर पर मुलाकात की। इसके बाद दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों की औपचारिक बैठक हुई। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद यह किसी भारतीय अधिकारी का पहला उच्च स्तरीय बांग्लादेश दौरा है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, यह मुलाकात हमारे विदेश सचिव जशीम उद्दीन और विक्रम मिस्री के बीच तय समय पर हो रही है। पहले उन्होंने एक–दूसरे से व्यक्तिगत तौर पर बातचीत की और फिर दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों की औपचारिक बैठक हुई। अधिकारी ने बताया कि इस मुलाकात के बाद मीडिया ब्रिफिंग हुई, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की गई।

असद शासन का पतन सीरिया के लोगों के लिए `ऐतिहासिक अवसर' : जो बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल–असद के शासन का पतन देश के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है क्योंकि असन शासन ने बीते 50 साल में हजारों

निर्दोष सीरियाई लोगों के साथ क्रूरता की, उन्हें प्रताड़ित किया और उनकी जान ली। कई वर्षों के हिंसक गृहयुद्ध और बशर अल–असद एवं उनके परिवार के दशकों के नेतृत्व के बाद विद्रोही समूहों के देश पर कब्जा कर लिया जिसके कुछ घंटों बाद बाइडन ने व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) में यह बात कही। बाइडन ने कहा, ''सीरिया में 13 साल के गृहयुद्ध और बशर असद तथा उनके पिता के करीब आधी सदी से अधिक समय तक क्रूर तानाशाहीपूर्ण शासन के बाद विद्रोही ताकतों ने असद को अपने पद से इस्तीफा देने एवं देश से भागने पर मजबूर कर दिया। हमें मालूम नहीं है कि वह कहां है, लेकिन ऐसी खबरें हैं कि वह रूस की राजधानी मॉस्को में है। आखिरकार, असद शासन का पतन हो गया।'' उन्होंने कहा, ''इस शासन ने सैकड़ों हजारों निर्दोष सीरियाई लोगों पर अत्याचार किया, उन्हें प्रताड़ित किया और उनकी जान ली। इस शासन का पतन न्याय का एक मौलिक कार्य है। यह सीरिया में लंबे समय से पीड़ित लोगों के लिए अपने गौरवशाली देश का बेहतर भविष्य बनाने का ऐतिहासिक अवसर है।'' बाइडन ने कहा कि यह जोखिम और अनिश्चितता का भी समय है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में हिज्बुल्ला, ईरान और रूस का असद शासन को समर्थन खत्म हो गया है। वह इस पूरे घटनाक्रम को सीरिया के लोगों के लिए अब एक नए अवसर के रूप में देख रहे हैं। असद को सत्ता से बेदखल करने वाले सीरियाई विपक्ष का नेतृत्व 'हयात तहरीर अल–शाम' करता है। अमेरिका 'हयात तहरीर अल–शाम' को एक आतंकवादी संगठन मानता है जिसका संबंध अल–कायदा से है। हालांकि, समूह का कहना है कि उसने अल–कायदा से संबंध तोड़ लिए हैं।

इस्राइल का दावा : सीरिया में संदिग्ध रासायनिक हथियारों से जुड़े ठिकानों को बनाया निशाना, रॉकेट भी किए तबाह

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल ने सोमवार को कहा है कि उसने सीरिया में संदिग्ध रासायनिक हथियारों से जुड़े एक ठिकाने को निशाना बनाया है। इतना ही नहीं इस्राइली सेना ने उन ठिकानों को भी निशाना बनाया है, जहां सीरिया के लंबी दूरी तक मार करने वाले रॉकेट रखे थे। गौरतलब है कि सीरिया से बशर अल–असद के भागने और वहां विद्रोही गुटों के कब्जे के बाद सीरियाई सेना के हथियारों के गलत हाथों में पड़ने का खतरा पैदा हो गया था। इस्राइल ने अपने ऊपर दिख रहे इसी खतरे के मद्देनजर सीरिया में यह हमले बोले। इस्राइल के विदेश मंत्री गिडियोन सार ने कहा, ''हमारा इकलौता हित इस्राइल और उसके नागरिकों की सुरक्षा है। इसलिए हमने सीरिया में कूटनीतिक हथियारों की प्रणालियों, बचे हुए रासायनिक हथियार और लंबी दूर तक मार करने वाली मिसाइल और रॉकेट वाले ठिकानों पर हमला कर दिया। नेतन्याहू कह चुके हैं सीरिया को शांति का हाथ बढ़ाने की बात

सीरिया में बशर अल–असद की सरकार के पतन के बाद इस्राइल ने विद्रोही गुटों को लेकर प्रतिक्रिया दी थी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था ।

नस्लभेदी टिप्पणी करने वाली महिला पर केस करेगा भारतीय–अमेरिकी परिवार, बोला– अपने लिए खड़े होना जरूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक भारतीय–अमेरिकी परिवार ने अपने ऊपर नस्लभेदी टिप्पणी करने वाली महिला के खिलाफ केस करने का निर्णय लिया है। बताया गया है कि पिछले महीने फोटोग्राफर परवेज तौफीक (50) अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ मैक्सिको से लॉस एंजेलिस जाने के लिए शटल बस में बैठकर विमान तक जा रहे थे। इस दौरान साथ सफर कर रही एक महिला यात्री ने परिवार के खिलाफ अभद्र आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसी मामले में अब फोटोग्राफर के परिवार ने नफरती भाषण के खिलाफ मामला दायर करने का फैसला किया है। तौफीक वीडियो ऑनलाइन भी डाला था। इशारे किए और कई आपत्तिजनक एक मौके पर यहां तक कह दिया तुम्हारे पास कोई सम्मान नहीं, कोई ने उन्हें बताया कि वे अमेरिकी तुम अमेरिकी नहीं, भारतीय हो। दायर करने की जानकारी देते हुए में कानून के तहत उस महिला की उन्होंने बताया कि इस मामले में में वह सफर कर रहे थे, उस

ने महिला की अभद्रता का पूरा उस महिला ने परिवार को गंदे और नस्लभेदी टिप्पणियां कीं। उसने कि तुम्हारा परिवार भारत से है, नियम नहीं। इसके बाद जब तौफीक नागरिक हैं तो महिला ने कहा कि इस घटना पर तौफीक ने केस कहा, ष्हमारी सोच है कि अदालत जवाबदेही तय की जानी चाहिए।ष जिस यूनाइटेड एयरलाइंस की बस कंपनी ने किसी भी तरह से मदद नहीं की। उन्होंने कहा कि महिला की तरफ से इस घटना पर कोई जवाबदेही का भाव नहीं था। हम इस मामले को कानूनी तौर पर आगे ले जाना चाहते हैं और इसे एक रात की घटना बताकर खत्म नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ी हमारे माता–पिता की पीढ़ी से काफी अलग है। वे ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियों पर चुपचाप अपना सिर नीचे कर, चुप होकर चले जाते। लेकिन मैं समझता हूं कि वह समय गया। अब समय है कि हमारी पीढ़ी सुनिश्चित करे कि अब आपको इन कामों के लिए अंजाम भुगतना होगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।